FOLLOWS
NEP 2020
NCF-FS 2023

Fortune
Excellence in Education

सहायक पेटिका
6-8

अनुभवी हिंदी लेखकों द्वारा तैयार की गई

लेखक :
नितिन सक्सेना
एम०ए० (हिंदी)

- उत्साहवर्धक पठन–पाठन
- विषय संवर्धन गतिविधियाँ
- चिंतन और कल्पनाशक्ति का विकास
- नैतिक मल्थों का उन्नयन

पाठ-1
कर्मवीर
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (i) (ग) (i)

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

उत्तर– (क) चिलचिलाती **धूप को,**
जो चाँदनी देवें बना।
काम **पड़ने पर करें,**
जो शेर का भी सामना।

(ख) कोस **कितने ही चलें पर,**
वे कभी **थकते नहीं**।
कौन-सी है गाँठ जिसको,
खोल **वे सकते नहीं**।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) कर्मवीर व्यक्ति कभी किसी का मुँह नहीं तकते हैं।

(ख) 'चाँदनी देवें बना'–का आशय है कि जो कठिनाइयों को भी अवसर बना लेते हैं।

(ग) 'चिलचिलाती धूप' से कवि का संकेत संकटों से है।

(घ) कवि ने कर्म के महत्व को बताया है। कर्मशील व्यक्ति कभी कार्य करने के लिए समय नहीं देखते। वे दूसरों के भरोसे न रहकर अपनी मदद स्वयं करते हैं। वे अपने निश्चय पर अडिग रहते हैं। संसार में ऐसा कौन-सा कार्य है, जो कर्मवीर नहीं कर सकते हैं।

(ङ) ऐसी कोई उलझन नहीं है जिसको कर्मवीर हल न निकाल सके। कर्मवीर व्यक्ति सभी उलझनों को सुलझा लेते हैं।

4. निम्नलिखित शब्दों का मिलान किजिए–

उत्तर–
(क) गाँठ → उलझन
(ख) कोस → लगभग दो मील के बराबर एक।
(ग) मदद → सहायता
(घ) जी की → मन की

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–
(क) वनराज, सिंह
(ख) कार्य, कर्म
(ग) संसार, विश्व
(घ) सहायता, सहयोग
(ङ) मुख, चेहरा
(च) धाम, आतप
(छ) लौह, अयस

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) कभी नहीं (ख) कल (ग) पराया
(घ) रोना (ङ) ऊर्जावान (च) सरल

3. प्रस्तुत पाठ में किस रस का प्रयोग किया गया है?

उत्तर– प्रस्तुत पाठ में वीर रस का प्रयोग किया गया है।

4. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) जी चुराना = **काम से बचना**
एक अच्छा विद्यार्थी पढ़ाई से जी नहीं चुराता है।

(ख) मुँह ताकना = **किसी पर निर्भर होना**
रमेश अपनी हर छोटी-बड़ी जरूरत के लिए अपने पिता का मुँह ताकता रहता है।

(ग) गाँठ खोलना = **भेद खोलना**
कैमरे की रिकाडिंग ने नौकर की सारी गाँठ खोल दी।

(घ) लोहे के चने चबाना = **कठिन कार्य करना**
सरकारी नौकरी पाने के लिए लोहे के चने चबाने पड़ते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (जीवन कौशल एवं मूल्य)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-2
हमारी अमूल्य संपदा-वन
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (i)

2. निम्नलिखित कथनों के आगे 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) वृक्षों के लाभ भी अनेक हैं। ये वर्षा में सहायक हैं। वृक्षों की जड़ें पानी के तेज बहाव को रोकती हैं जिनसे भूमि-संरक्षण में सहायता मिलती है। तेज बहाव रुकने से भूमि की उर्वराशक्ति सुरक्षित रही है। वृक्ष कई प्रकार से हमारे काम आते हैं। जड़ से लेकर तना, शाखाएँ, छाल, फल, फूल, बीज आदि सभी हमारे जीवन के लिए उपयोगी हैं। उनकी लकड़ी घरेलू उपयोग के समान बनाने तथा ईंधन के काम आती है।

(ख) आधुनिक काल में पेड़-पौधों को नए संदर्भ में समझने का दृष्टिकोण विकसित हुआ है। अब पेड़-पौधों को 'हरा सोना' कहा जाता है। अंतर सिर्फ इतना है कि सोना (धातु) खान के भीतर मिलता है, जबकि हरा सोना (वृक्ष) खुली भूमि पर सुलभ है।

(ग) वृक्षों के संवर्धन हेतु निम्नलिखित प्रयास करने होंगे–

- हमें अधिक-से-अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए ताकि वनो के घटते क्षेत्र को बढ़ाया जा सके।
- सरकार द्वारा चलाई जा रही 'सामाजिक वानिकी' जैसी योजनाओं में सक्रिय भाग लेना चाहिए।
- सड़कों और रेलमार्गों के किनारे खाली पड़ी भूमि पर फलदार और छायादार वृक्ष लगानी चाहिए।
- वर्तमान पीढी का यह कर्तव्य है कि वह वृक्षों को एक धरोहा मानकर इनकी रक्षा करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए इन्हें सुरक्षित छोड़कर जाए।
- वृक्षों की अनावश्यक कटाई को सारणी से रोकना चाहिए।

(घ) वन कार्बन-डाइ-ऑक्साइड सोखकर और ऑक्सीजन छोड़कर वायुमंडल को शुद्ध रखते हैं। ये वर्षा लाने में सहायक होते हैं और भूमि के कारव को रोककर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखते है।

(ङ) हमारे अनेक प्राचीन ग्रंथों में वृक्षों को मनुष्य के पुत्र के समान बताया गया है। जिस प्रकार सुपुत्र अपने सत्कर्मों से पिता के यश को फैलाते हैं, उसी प्रकार से वृक्ष भी उन्हें लगाने वाले मनुष्य को मृत्यु के बाद सुदीर्घकाल के लिए यशस्वी और स्मरणीय बना देते हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर–

इत्यादि	=	**इति + आदि**	संवर्धन	=	**सम् + वर्धन**
सर्वाधिक	=	**सर्व + अधिक**	विद्यार्थी	=	**विद्या + अर्थी**
योजनावधि	=	**योजना + अवधि**	अत्यावश्यक	=	**अति + आवश्यक**

2. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोड़कर नए शब्द लिखिए–

उत्तर–

पेट	=	**भरपेट**	एक	=	**अनेक**	फल	=	**सफल**
दिल	=	**हमदिल**	वक्त	=	**बेवक्त**	इमान	=	**बेइमान**

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–

उत्तर– (क) जीवन में **कष्ट** आते-जाते रहते हैं।

(ख) वृक्ष हमारी अमूल्य **धरोहर** हैं।

(ग) आज विद्युत **आपूर्ति** बाधित रही।

(घ) हमें अपना **पर्यावरण** स्वच्छ रखना चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (अनुभवजनित शिक्षा)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-3
पोंगल
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (i) (ङ) (ii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) सूर्य देवता (ख) बड़ा पोंगल (ग) शर्करइ
(घ) उष्मा और प्रकाश, फसलें (ङ) मसाले, पकाया

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) सूर्य-पूजा के बाद माट्टू पोंगल मनाया जाता है।

(ख) बोगी के अगले दिन 'बड़ा पोंगल' मनाया जाता है। इस दिन घर के मुख्य द्वार के बाहर बहुत बड़ा और अलंकृत 'कोलम' बनाया जाता है। यह कोलम सूर्य देवता को समर्पित होता है।

(ग) दोपहर होते-होते 'मंजी विरट्टु' शुरू हो जाता है। बैलों के मालिक उन्हें खूब सजाते हैं। उनके गले में मोतियों की माला और घंटियाँ बाँध दी जाती हैं। एक कपड़े में रुपए बाँधकर उसे रंग-बिरंगे सींगों वाले बैल के गले में बाँध दिया जाता है।

(घ) इस दिन पशुओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट की जाती है। किसान बैल की मदद से ही खेत जोतता-बोता है इसलिए माट्टू पोंगल पर गाय-बैलों का विशेष महत्त्व होता है। इस दिन सभी अपने पालतू पशुओं की पूजा कर उन्हें भोग लगाते हैं। उसके मस्तक पर हल्दी, कुमकुम लगाकर उनके गले में पुष्पहार डाला जाता है। बैलगाड़ियों, हलों और खेती के औजारों-हथियारों पर रंग-रोगन किया जाता है। बैलों के सींगों को घिस-घिसकर नोकदार बनाया जाता है और उन नोंकों को धातु के छल्ले पहनाए जाते हैं। लोग अपने-अपने खेतों के बीच गणेश बनाकर उन्हें दूब और फूलों से सजाते हैं तथा हल्दी, ईख और अदरक से उनकी पूजा करते हैं।

(ङ) पहले वाले दिन को 'बोगी' कहते हैं। इस दिन लोग घर को झाड़-बुहारकर साफ करते हैं। पुरानी और बेकार की चीजों को निकालकर बाहर फेंक देते हैं। पोंगल से पहले सारी रात लोग बेकार चीजों की होली जलाते हैं। होली के साथ-साथ ढोल पीटते रहते हैं। इस ढोल को तमिल में 'बोगी कोट्टू' कहते हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित अनेकार्थक शब्दों के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) हार = **पराजय** – उसने **हार** का मुँह नहीं देखा था।
हार = **माला** – इस दिन बैलों को **हार** पहनाया जाता है।
(ख) अर्थ = **मतलब** – इस कविता का क्या **अर्थ** है।
अर्थ = **धन** – पोंगल का संबंध **अर्थ** तथा संपूर्णता से है।

(ग) उत्तर = **जवाब** – यह इस प्रश्न का सही उत्तर है।

उत्तर = **एक दिशा** – आप उत्तर दिशा में चले जाइए।

2. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

उत्तर– फशल	=	**फसल**	साश्टांग	=	**साष्टांग**
विधीवत	=	**विधिवत**	किरतज्ञता	=	**कृतज्ञता**
रोमानचक	=	**रोमांचक**	आशीरवाद	=	**आशीर्वाद**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (पारंपरिक ज्ञान का विकास)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-4
मैंने तैरना सीखा
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (ii) (ङ) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) गुरु (ख) हाथ-पैर (ग) लाल सागर

(घ) व्यायाम (ङ) घाट

3. निम्नलिखित कथनों के आगे 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य

(घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) पुराने जमाने में रोम के थियेटर ऐसे होते थे जैसे कि मंच के चारों ओर सीढ़ियाँ बनी रहती थीं, जिन पर साधारण लोग बैठकर तमाशा देखते थे।

(ख) उत्तर प्रदेश में दो बहती नदियाँ गंगा और यमुना है।

(ग) काशी अब वाराणसी हो गया है। यहाँ की मिट्टी दूसरे जन्म में सोना हो जाती है और यहाँ कपड़ा कम पहनिए तो महाजन और न पहनिए तो देवता हो जाइए। यहाँ गंगा का वही महत्व है, जो सरकारी कागजों पर 'साइन' का, विवाह में 'नाइन' का तथा रेलवे में 'लाइन' का।

(घ) तांगा की धारा लगर ही थी मायें जैसे कोई विशाल अजगर रेंग रहा हो।

(ङ) तैरने की कला अन्य फलाओं (जैसे चित्रकला या सगीत) से इस तरह मिल है कि इसे केवल पुस्तक पढ़कर नहीं सीखा जा सकता, इसके लिए पानी में उतरना ही पड़ता है।

(च) लेखक का जन्म गंगा किनारे वाराणसी नगर में हुआ था।

(छ) उत्तर प्रदेश में बहने वाली नदियों के नाम–गंगा, यमुना, घाघरा (सरयू) गोमती, बेतवा आदि हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

यमूना	=	**यमुना**	खयाति	=	**ख्याति**
परस्ताव	=	**प्रस्ताव**	महनतम	=	**महानतम**
वियायाम	=	**व्यायाम**	मस्तिषक	=	**मस्तिष्क**

2. निम्नलिखित विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

उत्तर–

योग्य	=	**योग्यता**	सीधा	=	**सीधापन**	भोला	=	**भोलापन**
पवित्र	=	**पवित्रता**	विशाल	=	**विशालता**	उपयोग	=	**उपयोगिता**

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए–

उत्तर–

देव	=	**देवी**	शिष्य	=	**शिष्या**	छात्रा	=	**छात्र**
वृद्ध	=	**वृद्धा**	देवता	=	**देवी**	पंडित	=	**पंडिताइन**
युवक	=	**युवती**	बालिका	=	**बालक**			

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

गुरु	=	**शिष्य**	देश	=	**विदेश**
देवता	=	**दानव**	स्वर्ग	=	**नरक**
व्यापक	=	**गौण**	उपस्थित	=	**अनुपस्थित**
साधारण	=	**खास**	आवश्यक	=	**अनावश्यक**

5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) संभव – कड़ी मेहनत से हर काम संभव हो जाता है।

(ख) प्रस्ताव – गुरु जी ने तैरना सिखाने के मेरे प्रस्ताव

(ग) माध्यम – चित्रकला और संगीत भावनाओं को व्यक्त करने का एक माध्यम है।

(घ) उद्देश्य – गांधी जी के जीवन का एक मात्र उद्देश्य देश की सेवा करना था।

(ङ) व्याकरण – भाषा को शुद्ध रूप से बोलने और लिखने के लिए व्याकरण का ज्ञान होना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (जीवन कौशल एवं मूल्य)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-5
ईमानदारी
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (i)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) महात्मा साधु (ख) धन का त्याग (ग) बहुरूपिए, साधु

(घ) साधु, यश (ङ) गंभीर, डोली

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) साधु ने सेठ का धन लौटा दिया क्योंकि साधु के लिए धन का कोई महत्व नहीं होता है। धन उसके लिए मिट्टी के समान था।

(ख) बहुरूपिए प्रायः भिन्न-भिन्न रूप धारण करके धन कमाते हैं। उसने धन कमाने की लालसा में ही **साधु** का रूप धारण किया जिससे उसकी जीविका सरलता से चल सके।

(ग) प्रस्तुत कहानी में बताया गया है कि हमें अपने व्यवसाय में सदा ईमानदारी का व्यवहार रखना चाहिए क्योंकि ईमानदार व्यक्ति सदैव सम्मान का पात्र बनता है।

(घ) क्योंकि सारे दिन उसके पास भीड़ लगी रहती। लोग कहते थे कि महात्मा जी के उपदेशों में जादू है और उनके आशीर्वाद से संसार के बड़े-से-बड़े कष्ट दूर हो जाते हैं।

(ङ) बहुरुपिए कभी धोबी, कभी डाकिए आदि का रूप बनाकर आते है।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए–

उत्तर– शेष + अंश = **शेषांश** हर्ष + अतिरेक = **हर्षातिरेक**

नयन + अभिराम = **नयनाभिराम** प्रसंग + अनुकूल = **प्रसंगानुकूल**

2. निम्नलिखित वाक्यों में आए कारक शब्दों को रेखांकित कीजिए–

उत्तर– (क) लिए (ख) को (ग) की (घ) का (ङ) ने

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) इस कविता का **वर्ण्य** विषय प्रेम है।

(ख) साधु ने अपने माथे पर **त्रिपुंड** लगाया हुआ था।

(ग) महाराणा प्रताप एक वीर **क्षत्रिय** राजा थे।

(घ) **सुषुम्ना** नाड़ी शरीर की मुख्य ऊर्जा नाड़ी है।

(ङ) बाढ़ के कारण सड़क यातायात **विच्छिन्न** हो गया था।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-6
लाल बहादुर शास्त्री
अभ्यासमाला

1. सही उत्तर के सामने (✔) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (iii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) नन्हे को लोग नन्हे इसलिए कहते थे क्योंकि वह छोटा बच्चा था और कद में थोड़ा छोटा था।

(ख) लालबहादुर नदी में उतर पड़ा और तैरने लगा। एक हाथ में उसने किताब-कापियाँ सँभालकर ऊपर उठा रखी थीं, जिससे वे भीगने से बची रहें और

दूसरे हाथ से पानी को काटते हुए वह तेज़ी के साथ दूसरे किनारे की ओर बढ़ने लगा।

(ग) लालबहादुर ने माँ से कहा, ''सोचो भला माँ, मल्लाह भी तो आखिर गरीब ही आदमी है न! मेहनत-मज़दूरी करके किसी तरह अपना और घरवालों का पेट पालता है। उसकी नाव पर मुफ़्त सफर करना तो बुरा काम है न माँ! रही बात उधारी की, सो वह भी गंदी आदत है। फिर ज़रा-सी बात के लिए किसी का एहसान लेने की ज़रूरत ही क्या है?''

(घ) माली ने पुचकारते हुए कहा, ''बेटे, तुम्हें बिल्कुल शरारत नहीं करनी चाहिए। तुम्हें अच्छी-अच्छी आदतें सीखकर अच्छा आदमी बनना चाहिए ताकि आगे चलकर तुम्हारी माँ को तुम्हारा सहारा मिल सके।'' नन्हे ने उसी दिन से बुरे काम करने छोड़ दिए।

(ङ) निष्कामेश्वर मिश्र ने नन्हे की पीठ ठोंकते हुए कहा–''तुम्हारे जैसे लो ही देश की सच्ची सेवाकर के हैं। ऐसे लोग भविष्य में इस देश के सच्चे रत्न कहे जाएँगे।''

(च) मल्लाह ने हँसकर कहा, ''आज तुम्हारे पास पैसे नहीं हैं इसीलिए क्या नाव पर नहीं चढ़ोगे? आओ, आज मैं तुम्हें बिना पैसे लिए ही नदी के पार उतार दूँ।'' अगर मुफ़्त में तुम नहीं चलना चाहते हो उधार ही सही। अभी तो तुम नाव से चले चलो, पैसे बाद में किसी दिन दे देना।''

(छ) लालबहादुर केवल 16-17 साल के थे जब उन्होंने आज़ादी की लड़ाई में अपना योगदान दिया।

(ज) लालबहादुर रोज़ सवेरे नाव से गंगा पार करके स्कूल आता और दिन-भर पढ़ने के बाद शाम को फिर नाव से गंगा पार करके घर चला जाता।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

बंद	=	**खुला**	खुश	=	**दुखी**	प्यार	=	**नफरत**
नाटा	=	**लंबा**	छोटा	=	**बड़ा**	गरीब	=	**अमीर**
करीब	=	**दूर**	निरपराध	=	**अपराधी**			

2. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर– (क) लालबहादुर के पिता तो थे नहीं।

(ख) मल्लाह ने सुना तो दंग रह गया।

(ग) यह सारा कांड सुनकर लालबहादुर का मन छटपटा उठा।

(घ) नाटा होने के कारण ही लोग उसे प्यार से नन्हा कहते थे।

3. इस पाठ से अल्पविराम के भिन्न-भिन्न पाँच प्रयोगों को ढूँढ़कर लिखिए–

उत्तर– (क) जब वह छोटा सा था, तभी उसके पिता की मृत्यु हो गई।

(ख) माली काका, मेरे पिता नहीं हैं।

(ग) उस नन्हे लड़के का नाम था, लालबहादुर।

(घ) वह गरीब था तो क्या हुआ, गुणी तो था ही।

(ङ) अब मैं तुम्हें नहीं रोकूँगा, जाओ!

4. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) पिता जी मृत्यु के बाद **पेट-पालना** भी मुश्किल था।
(ख) मल्लाह नन्हें की बात सुनकर **दंग रह गया**।
(ग) माँ-बेटे पर मुसीबतों का **पहाड़ ही टूट पड़ा**।
(घ) किसी प्रकार उन्हें **गुजर-बसर करना** पड़ रहा था।
(ङ) झूठ सुनकर शिक्षक **आग-बबूला हो उठे**।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-7
मेरी माँ
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (ii)

2. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) शाहजहाँपुर (ख) देवनागरी (ग) आर्यसमाज, वार्तालाप
(घ) प्रोत्साहन (ङ) सांत्वना (च) धर्मपत्नी, हर्षित

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) बिस्मिल की माँ का विवाह ग्यारह वर्ष की आयु में हो गया था।

(ख) शाहजहाँपुर आने के थोड़े दिन बाद ही दादीजी ने अपनी छोटी बहिन को बुला लिया। उन्हीं ने गृहकार्य में माताजी को शिक्षा दी। थोड़े ही दिनों में, माताजी ने सभी गृह-कार्यों को समझ लिया और भोजनादि का ठीक-ठाक प्रबंध करने लगीं। मेरे जन्म के पाँच या सात वर्ष बाद आपने हिंदी पढ़ना आरंभ किया। पढ़ने का शौक आपको खुद पैदा हुआ था। मोहल्ले की संग-सहेलियाँ जो घर आ जाती थीं, उन्हीं में से जो शिक्षित थीं, माताजी उनसे अक्षर बोध करतीं।

(ग) गुरु गोविंद सिंह जी की धर्मपत्नी ने जब अपने पुत्रों की मृत्यु का संवाद सुना था तो बहुत हर्षित हुईं और गुरु के नाम पर धर्म-रक्षार्थ अपने पुत्रों के बलिदान पर मिठाइयाँ बाँटी थीं।

(घ) बिस्मिल के क्रांतिकारी जीवन में उनकी माता का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने बचपन से ही उनमें देशभक्ति के बीज बोए, संस्कार और उनके क्रांतिकारी कार्यों का समर्थन किया। वह हमेशा उनकी प्रेरणा बनकर रही।

(ङ) भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम के प्रसिद्ध क्रांतिकारियों में रामप्रसाद 'बिस्मिल' का नाम प्रमुख है। प्रस्तुत पाठ में उन्होंने अपनी जन्मदात्री माता के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की है।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

उत्तर– जन्म देने वाली = **जन्मदात्री**
हिंदी भाषा की लिपि = **देवनागरी**

जो पढ़ना-लिखना न जाने	=	**अनपढ़**
जिसका वर्णन न किया जा सवे	=	**अवर्णनीय**

2. **निम्नलिखित श्रुतिसम भिन्नार्थकों का वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए–**

उत्तर– (क) रमेश की **आय** बहुत कम है।
(ख) बिस्मिल की माता का विवाह ग्यारह वर्ष की **आयु** में हो गया था।
(ग) इन्होंने देशसेवा में अपने प्राणों की **बलि** दे दी।
(घ) दीपा की **बालि** बहुत सुंदर है।
(ङ) आपकी सफलता ही आपकी मेहनत का सबसे बड़ा **प्रमाण** है।

3. **दिए गए शब्दों से तीन नए शब्दों की रचना कीजिए–**

उत्तर–

ग्राम	=	**ग्रामवासी**	**ग्राम-सेवा**	**ग्राम-सेवक**
ऋण	=	**ऋणदाता**	**ऋण-मुक्त**	**ऋण-पत्र**
शिक्षा	=	**शिक्षाप्रद**	**शिक्षार्थी**	**शिक्षाविद**
जीवन	=	**जीवनसाथी**	**जीवनभर**	**जीवन-दान**

4. **दिए गए निपातों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए–**

उत्तर– (क) तुम तो कल आने वाले थे। (ख) यह काम तुम्हें ही करना पड़ेगा।
(ग) मोहन भी हमारे साथ चलेगा। (घ) रमेश ने जीवन भर संघर्ष किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (पारंपरिक ज्ञान का विकास)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-8
सत्साहस
अभ्यासमाला

1. **सही विकल्प चुनिए–**

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (i) (ङ) (ii) (च) (i)

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर– (क) साहसी (ख) गुप्त (ग) शूरवीरों
(घ) बुद्धि (ङ) साहस (च) उसके वीर साथियों
(छ) लेश

3. **निम्नलिखित पंक्ति की व्याख्या कीजिए–**

उत्तर– **व्याख्या–**काम छोटा हो या बड़ा, साहस के बिना वह पूरा नहीं हो सकता, क्योंकि आज तक जितने भी काम हुए हैं, सब साहस के द्वारा ही संपन्न हुए हैं। जिस व्यक्ति के अंदर साहस है वही अपने कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर सकता है।

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

उत्तर– (क) कर्तव्य परागणता का अर्थ है–अपने रचित और निर्धारित कार्यों को बिना किसी स्वार्थ या संकोच के पूरी निष्ठा के साथ समय पर पूरा करना।
(ख) सर्वोच्च श्रेणी के साहस के लिए हृदय की पवित्रता तथा उदारता और चरित्र की दृढ़ता और सबसेस बढ़कर 'कर्त्तव्यपरायणता' का होना आवश्यक है।

(ग) सत्साहसी के लिए स्वार्थ का त्याग व सक्रिए आवश्यक हैं क्योंकि बिना स्वार्थ त्यागे व्यक्ति निस्वार्थ भाव से दूसरों का देश की सेवा नहीं कर सकता। स्वार्थ से किया या साहस नीच श्रेणी का होता है।

(घ) लेखक ने महाराणा प्रताप, शिवाजी, रणजीत सिंह, अर्जुन, भीम और नेपोलियन जैसे वीरें का उल्लेख साहस के सच्चे प्रतीक के रूप में किया है।

(ङ) बादशाह अकबर के पास आए राजपूतों ने घोड़ों पर सवार होकर अपने-अपने बरछे सँभाले और अकबर के सामने ही एक-दूसरे पर वार करने लगे। थोड़ी देर बाद वे एक-दूसरे पर बेतरह टूट पड़े। बादशाह के देखते-देखते दोनों घोड़ों से नीचे आ गिरे और मरकर ठंडे हो गए। इस प्रकार का साहस निःसंदेह प्रशंसनीय है, परंतु ज्ञान की आभा की कमी के कारण निस्तेज-सा प्रतीत होता है।

(च) युवक एक मुसलमान था जिसने अपने पिता की जाी जबत होने के कारण क्रोध में लोकर बादशाह मोहम्मद का दिल पर भरे दरबार में आक्रमण करने का असीम साहस दिखाया था।

व्याकरण-ज्ञान

1. नीचे लिखे शब्दों को पहचानिए, ये संज्ञा का कौन-सा रूप हैं?

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

2. दिए गए शब्दों में से भाववाचक संज्ञा वाले कौन-से हैं? लिखिए–

उत्तर–

पशु	=	**जातिवाचक संज्ञा**	ज्ञान	=	**भाववाचक संज्ञा**
उन्नत	=	**विशेषण**	वीरता	=	**भाववाचक संज्ञा**
हितचिंतक	=	**विशेषण**	कर्त्तव्यपरायणता	=	**भाववाचक संज्ञा**

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर–

संसार	=	**जगत**	**दुनिया**	धरणी	=	**पृथ्वी**	**भूमि**
पवित्र	=	**पावन**	**निर्मल**	निर्भीक	=	**निडर**	**साहसी**
बलिष्ठ	=	**बलवान**	**ताकतवर**				

4. दिए गए शब्दों के विशेषण रूप लिखिए–

उत्तर–

यश	=	**यशस्वी**	ज्ञान	=	**ज्ञानी**
सम्मान	=	**सम्मानित**	पवित्रता	=	**पवित्र**

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-9
बूढ़ी काकी
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (ii) (च) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) बुद्धिराम (ख) अत्याचार (घ) अधर्म
(घ) पूड़ियों, हृदय (ङ) स्वार्थपरता

3. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– आशय–

(क) भतीजे ने संपत्ति अपने नाम लिखवाने के लिए बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन संपत्ति मिलते ही वह अपने सभी वादों से मुकर गया। ये वादे ऐसे ही थे जैसे कुली डिपो के दलाल यात्रियों को ठगने के लिए झूठे और लुभावने वादे करते हैं।

(ख) बुढ़ापा एक ऐसा समय होता है जब व्यक्ति की सांसारिक इच्छाएँ लगभग समाप्त हो जाती है और थोड़ी-बहुत बचती हैं तो किसी एक जगह केंद्रित हो जाती हैं। बूढ़ी काकी की वे इच्छाएँ ज्ञानेंद्रियों (भोजन) पर एकत्रित हो गई थीं।

(ग) जिस प्रकार गर्मी के मौसम में थोड़ी-सी बारिश होने से ठंडक मिलने के बजाय उमस और गर्मी बढ़ जाती है, उसी प्रकार बूढ़ी काकी को जब थोड़ी सी पूड़ियाँ मिली, तो उनकी भूख शांत होने के स्थान पर और ज्यादा भड़क गई और खाने की इच्छा और तीव्र हो गई।

(घ) यह अंश बूढ़ी काकी की तीव्र भूख और भोजन के प्रति उनकी लालसा को दर्शाता है। रात आधी खत्म हो गई थी, आकाश में तारे चमक रहे थे, उस समय देवता भी स्वर्गीय पदार्थों का आनंद ले रहे थे, तब भी उन्हें वैसा परमानंद न प्राप्त हुआ होगा जैसा बूढ़ी काकी को अपने सामने भोजन को भरा थाल देखकर हुआ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) बुढ़ापा बहुधा बचपन का पुनागमन हुआ करता है।

(ख) भतीजे के नाम उन्होंने अपनी सारी संपत्ति लिख दी। भतीजे ने संपत्ति लिखाते समय खूब लंबे-चौड़े वादे किए, किंतु वे सब वादे केवल कुली डिपो के दलालों के दिखाए हुए सब्जबाग थे।

(ग) बुद्धिमान के घर पर शहनाई बजने का कारण उसके बड़े लड़के 'मुखराम' का तिलक आया था। यह घर में उत्सव का अवसर था।

(घ) बूढ़ी काकी की कल्पना में पूड़ियों की तस्वीर नाचने लगी। खूब लाल-लाल, फूली, नरम-नरम होंगी। रूपा ने भली-भाँति भोजन दिया होगा, कचौड़ियों में अजवाइन और इलायची की महक आ रही होगी। एक पूड़ी मिलती तो जरा हाथ में लेकर देखती।

(ङ) बूढ़ी काकी पत्तलों पर से पूड़ियों के टुकड़े उठा-उठाकर खा रही है। रूपा का हृदय यह देखकर सन्न हो गया।

व्याकरण-ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

2. निम्नलिखित शब्दों के उचित अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) कालांतर = **कुछ समय बाद**
कालांतर के बाद वह गाँव लौटा।

(ख) अर्धांगिनी = **पत्नी**
रूपा, बुद्धिराम की अर्धांगिनी थी।

(ग) पुनरागमन = **वापस आना**
स्त्रियों का घर में पुनरागमन हो रहा था।

(घ) भलमनसाहत = **सज्जनता**
बूढ़ी काकी को बुद्धिराम की भलमनसाहत बहुत खलती थी।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-10
हँसते-हँसते जीना
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (i) (ङ) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) नियामत (ख) जीतता
(ग) फिलासफर (घ) अहिंसा

3. निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– आशय–

(क) यदि व्यक्ति में हँसने की प्रवृत्ति है, तो वह सबसे कठिन परिस्थितियों; जैसे–पराजय, में भी सकारात्मकता ढूँढ़ सकता है। वह सकारात्मक दृष्टिकोण उसकी हार को भी जीत में बदलने की शक्ति रखता है।

(ख) जीवन संघर्षों से भरा है, लेकिन इन संघर्षों को ओछे विवादों की तरह नहीं, बल्कि धर्म युद्ध की तरह गरिमा और सिद्धांतों के साथ लड़ना चाहिए। इन चुनौतियों का सामना हँसते हुए और सकारात्मक मन से करना चाहिए, न कि निराश या उदास होकर।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) हँसना एक नियामत है और जो इस नियामत से वंचित है वह दया का पात्र है। समाज में बहुत-सा खून-खराबा और झगड़ा-टंटा इसीलिए होता है क्योंकि हममें अक्सर हास्यप्रियता और हास्य की क्षमता की कमी होती है और जहाँ खुलकर हँसने की जरूरत होती है, हम भृकुटि तानकर और डंडा लेकर पिल पड़ते हैं, छोटी-छोटी बातों को प्रतिष्ठा और सम्मान का प्रश्न बना लेते हैं।

(ख) लॉर्ड जार्ज के प्रसंग से यह पता चलता है कि एक समझदार और खुशमिजाज़ व्यक्ति हारने के बाद भी अपनी हार का मजाक उड़ा सकता है और सामने वोल की बोली बंद कर सकता है। यह हार में भी अपनी हास्य वृत्ति नहीं खोता।

(ग) जीवन को सही ढंग से जीने का सही तरीका यह है कि हम हर परिस्थिति में हँसते-मुस्कराते रहें। अपनी गलतियों पर हास्या सीखे और कठिन से कठिन समय को हास्य और सकारात्मकता के साथ पार करें।

(घ) लेनिन के बारे में गोर्की लिखता है कि मैंने लेनिन जैसी संक्रामक हँसी किसी और की नहीं देखी... अजीब बात थी कि इतना कठोर, यथार्थवादी और शोषण से इतनी उत्कृट घृणा करने वाला व्यक्ति बच्चों की तरह इतना हँसता था कि गला रुँधने लगता था, आँखों में आँसू आ जाते थे।

(ङ) गाँधी जी हँस सकते थे। स्वयं की गलतियों और कमियों पर ठहाका लगाकर मुक्त रूप से हँस सकते थे; स्टालिन से ऐसी आशा नहीं की जा सकती थी।

(च) संत तुकाराम एक बार घूमकर लौटे तो हाथ में सिर्फ एक गन्ना था। क्रोध में उनकी पत्नी ने गन्ना तड़ाक् से पीठ पर दे मारा। गन्ना दो टुकड़े हो गया तो तुकाराम बोले–"ठीक किया भाग्यवान्, वैसे भी तेरे-मेरे खाने के लिए मुझे इसके दो टुकड़े करने पड़ते।"

(छ) प्रेमचंद जिंदगी भर बीमार रहते हुए गरीबी और अभाव से जूझते रहे; लेकिन कैसी उन्मुक्त और निश्छल हँसी हँसता था वह कलम का सिपाही!

व्याकरण-ज्ञान

1. निर्देशानुसार वाक्य बदलिए–

उत्तर– (क) गन्ना के दो टुकड़े नहीं हुए। (ख) आप जूते साफ करो।

(ग) क्या सुकरात की पत्नी बड़ी झगडालू थी।

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

हार	=	**जीत**	योग्य	=	**अयोग्य**	दुर्जन	=	**सज्जन**
अग्रज	=	**अनुज**	पराजय	=	**जय**	बाह्यमुखी	=	**अंतर्मुखी**

3. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) एक व्यक्ति बोले, "पंडित जी आप भूल रहे हैं कि हर मसले के दो पहलू होते हैं।"

(ख) बिल्कुल नहीं भूला, महाशय, लार्ड जार्ज हँसते हुए बोले, "क्योंकि गाड़ी तो अब भी मेरे घर पर खड़ी है; गधा गायब था सो आज यहाँ मिल गया।"

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-11

ध्रुव

अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) दो रानियाँ (ख) उत्तम

(ग) गहरी चोट (घ) महल

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

उत्तर– (क) एक दिन वह रोज की तरह आँखें बंद किए बैठा था, तभी किसी ने उसके पास आकर कहा, "मैं भगवान हूँ, आँखें खोलो।"
ध्रुव ने खुश होकर आँखें खोल दीं।

(ख) घर से निकलकर ध्रुव ने जंगल पे जाकर एक पेड़ के नीचे आँखें बंद करके तपस्या की।

(ग) आँखें खुलने पर ध्रुव को उसकी सेवा भावना, इच्छाइयों और लोकप्रियता के कारण जनता ने अपना राजा चुना।

(घ) आँखें खुलने पर ध्रुव की समझ में बात आ गई। उसने उसी समय उठकर गरीब मेहनत करने वालों की सेवा का काम शुरू कर दिया। वह उनकी बस्ती में जाकर उन्हें सुख पहुँचाने के काम करता। कोई बीमार हो तो रात-दिन उसके पास बैठकर उसकी सेवा करता था।

(ङ) ध्रुव को अपनी सौतेली माँ सुरुचि के दुर्व्यवहार के कारण घर का त्याग करना पड़ा।

(च) बालक ध्रुव उस जंगल में और उसके पार भी घूमता-फिरा पर उसको भगवान कहीं नहीं मिले। आखिर थक-हारकर वह एक दिन आँखें बंद करके एक पेड़ के नीचे बैठ गया। उसने मन में यह निश्चय कर लिया था कि जब तक भगवान खुद नहीं आएँगे, वह आँखें नहीं खोलेगा।

(छ) राजा उत्तानपाद की दो रानियाँ थीं। एक का नाम सुमति और दूसरी का नाम सुरुचि था।

4. **इन प्रश्नों के उत्तर कल्पना व अनुमान के आधार पर दीजिए–**

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

व्याकरण-ज्ञान

1. **निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त संयुक्ताक्षरों के योग से कोई तीन नए शब्द बनाइए–**

उत्तर–

परंतु	=	न्त	=	**अंत**	**शांत**	**कांत**
प्रसन्न	=	न्न	=	**भिन्न**	**अन्न**	**पन्ना**
व्यक्ति	=	क्त	=	**भक्ति**	**शक्ति**	**रक्त**
बच्चा	=	च्च	=	**कच्चा**	**सच्चा**	**पच्चास**
बस्ती	=	स्त	=	**हस्त**	**व्यस्त**	**अस्त**

2. **'र्' के भिन्न-भिन्न रूपों का प्रयोग करते हुए छः-छः शब्द लिखिए–**

उत्तर–

(क) क्रम	=	**प्रभात**	**चक्र**	**प्रकाश**
		प्रतिज्ञा	**भ्रम**	**प्राण**
(ख) निर्बल	=	**धर्म**	**कर्म**	**वर्षा**
		पूर्व	**पर्वत**	**कार्य**

3. **निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर– (क) **ध्रुव** तारा उत्तर दिशा में चमकता है।

(ख) एक दिन भगवान ने **दर्शन** दिए।
(ग) सदाचारी व्यक्ति **परलोक** सुधारता है।
(घ) प्रधानमंत्री एक **लोकप्रिय** नेता है।
(ङ) किसी को **अपमानित** नहीं करना चाहिए।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-12
मनुष्यता
अभ्यासमाला

1. सही उत्तर के सामने (✔) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (i)

2. भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– भाव–

(क) भगवान बुद्‌ध ने अपने दया और करुणा के प्रवाह से उस विरोध या मतभेद को समाप्त कर दिया जो उनके विचारों के प्रति था। उनके विनम्र और दयालु स्वभाव के कारण, सभी लोग, यहाँ तक कि उनके विरोधी भी, उनके सामने झुक गए और उनके अनुयायी बन गए।

(ख) यह बहुत बड़ा अनर्थ या दुर्भाग्य है यदि एक भाई दूसरे भाई के दुख या पीड़ा को दूर नहीं करता है। सच्चा मनुष्य वही है जो अपना जीवन दूसरों की भलाई के लिए समर्पित कर देता है और मनुष्यता के लिए मरता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) संसार उदार व्यक्तियों की पूजा करता है।
(ख) कवि के अनुसार उदार वह है जो दूसरों की भलाई के लिए जीता है।
(ग) विरुद्‌धवाद बुद्‌ध के विचारों का विरोध था, जो दया-प्रवाह में बह गया।
(घ) सरस्वती उन परोपकारी मनुष्यों की यशोगाथा का बखान करती है।
(ङ) प्रस्तुत कविता में गुप्त जी ने उदारता, परोपकार और सहानुभूति की भावना को मनुष्यता के लिए श्रेष्ठ बतलाया है। अपने स्वार्थ को त्याग कर दूसरों के लिए काम आने वाला ही अमर होता है। ऐसे लोग मर कर भी नहीं मरते।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– सूर्योदय = **सूर्य + उदय** भाग्योदय = **भाग्य + उदय**
विवाहोत्सव = **विवाह + उत्सव** वार्षिकोत्सव = **वार्षिक + उत्सव**

2. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) अपनी **वृथा** सबको नहीं बतानी चाहिए।
(ख) **उदार** व्यक्ति सभी को प्रिय होता है।
(ग) वह बहुत **विनीत** स्वर में बोलता है।
(घ) यह **अखंड** ज्योति है।
(ङ) श्रेष्ठ **प्रवृत्ति** के व्यक्ति सभी स्थान पर सम्मानित किए जाते हैं।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-13
प्रेमचंद के फटे जूते
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (i)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) महत्व (ख) दृष्टि (ग) ठोकर

(घ) फटता, घिस (ङ) फोटो का महत्व

3. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) इस पंक्ति के माध्यम से लेखक ने दिखावे की प्रवृत्ति पर व्यंग्य किया है। लेखक प्रेमचंद के फटे जूते और साधारण वेशभूषा में फोटो खिंचवाने पर आश्चर्य व्यक्त करते हैं क्योंकि समाज में लोग फोटो खिंचवाने में बढ़-चढ़कर दिखावा करते हैं।

(ख) इसका आशय समाज में व्याप्त कुरीतियों, अन्याय तथा शोषण से है, जो लंबे समय से समाज का हिस्सा बन चुकी हैं। लेखक व्यंग्यपूर्णक कहते हैं कि संभवत् प्रेमचंद ने इन बुराइयों को लगातार ठोकर मारी होगी, जिससे उनका जूता फट गया।

(ग) इसमें स्वाभिमान और दिखावे पर व्यंग्य किया गया है। यह समाज की उस सोच पर तीखा व्यंग्य है, जहाँ लोग इज्जत से ज्यादा संपत्ति और दिखावे को महत्व देते हैं। ऐसा करने के लिए लोग दूसरों से चीजें तक माँग लेते हैं। परंतु प्रेमचंद एक सरल स्वभाव के स्वाभिमानी व्यक्ति थे, उन्हें दिखावा बिल्कुल पसंद नहीं था।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) प्रेमचंद अपनी व्यंग्य मुस्कान से समाज के दिखावेपन पर हँस रहे हैं कि उन्होंने ठोकर मारकर फटे जूतों में फोटो खिंचवा ली लेकिन अपनी सादगी नहीं छोड़ी। समाज में आज लोग दिखावे का जीवन जी रहे हैं।

(ख) लेखक ने प्रेमचंद का वर्णन एक सीधे-सादे सरल व्यक्ति के रूप में किया है जो स्वाभिमानी है और दिखावे से कोसों दूर है। जो है, जैसा है, वह प्रत्यक्ष है।

(ग) तुम फोटो का महत्त्व नहीं समझते। समझते होते, तो किसी से फोटो खिंचाने के लिए जूते माँग लेते। लोग तो माँगे के कोट से वर-दिखाई करते हैं और माँगे की मोटर से बारात निकालते हैं। फोटो खिंचाने के लिए तो बीवी तक माँग ली जाती है, तुमसे जूते ही माँगते नहीं बने! तुम फोटो का महत्व नहीं जानते। लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं जिससे फोटो में खुशबू आ जाए! गंदे-से-गंदे आदमी की फोटो भी खुशबू देती है!

(घ) प्रेमचंद की मुस्कान लेखक के हौसले इसलिए पस्त करती है क्योंकि लेखक समझ नहीं पा रहा कि प्रेमचंद किस बात पर हँस रहे हैं। उसे लगता है यह मुस्कान उन लोगों पर व्यंग्य है जो दिखावे के लिए सब कुछ करते हैं। ऐसे लोग दिखावे के लिए उधार तक ले लेते हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. इसी प्रकार अन्य उपसर्गों के मेल से शब्द बनाइए–

उत्तर– (क) प्र = **प्र + योग**
किसी आविष्कार के लिए अनेक प्रयोग किए जाते हैं।

(ख) उप = **उप + हार**
मोहन ने मुझे एक उपहार दिया।

(ग) दुर् = **दुर + घटना**
कल एक दुर्घटना हुई।

(घ) निर् = **निर + धन**
वह एक निर्धन व्यक्ति है।

(ङ) अभि = **अभि + मान**
उसे अपने रूप पर बड़ा अभिमान है।

2. इसी प्रकार निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण छाँटकर लिखिए–

उत्तर– पचास रुपये = **पचास** बीमार बच्चा = **बीमार**
छोटा खरगोश = **छोटा** कंजूस आदमी = **कंजूस**

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) परंपरा = **प्रथा**
दशहरे पर रावण दहन की परंपरा है।

(ख) पोशाक = **वेशभूषा**
प्रेमचंद ने फोटो के लिए पोशाक नहीं बदली।

(ग) उपहास = **हँसी उड़ाना**
उसके मित्र ने राहुल का उपहास किया।

(घ) अहसान = **उपकार**
मैं किसी का अहसान नहीं लेना चाहता।

(ङ) विडंबना = **भाग्य की विचित्रता**
बड़ी विडंबना है कि लोग दिखावे की जिंदगी जीते हैं।

4. निम्नलिखित वाक्यांशों में से कारक-चिह्न छाँटिए–

उत्तर– (क) से (ख) का (ग) से (घ) का (ङ) के, की

5. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– (क) पंकज **कमल** **सरोज** (ख) रात्री **निशा** **रात**
(ग) भगवान **ईश** **ईश्वर** (घ) मेहमान **अतिथि** **आगंतुक**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (बौद्धिक विकास)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-14

परनिंदा

अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) दस (ख) सरल मनोरंजन, परनिंदा

(ग) शोध-ग्रंथ (घ) तिनके

3. निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– **आशय**–परनिंदा लोगों को बहुत आनंददायक लगती है, ठीक वैसे ही जैसे मीठी रोटी लगती है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) लोग अक्सर पीठ पीछे निंदा इसलिए करते हैं क्योंकि उनमें सामने बोलने का साहस नहीं होता या फिर उन्हें ऐसा करने में एक प्रकार का गुप्त आनंद और मनोरंजन मिलता है।

(ख) इस पाठ की यह बात अच्छी लगी कि निंदा एक बुरी आदत है जो समाज में वैमनस्य पैदा करती है और हमें इससे बचना चाहिए।

(ग) कबीरदा जी के अनुसार निंदक को अपने पास रखना चाहिए। क्योंकि वह बिना साबुन और पानी के (अर्थात् बिना किसी खर्च के) हमारी कमियाँ बताकर हमारे स्वभाव को निर्मल और वच्छ बना देता है।

(घ) महँगाई के इस जमाने में यदि सबसे सस्ता एवं सरल मनोरंजन का कोई साधन बचा है तो वह है परनिंदा। क्योंकि इसके लिए न किसी ऑडिटोरियम की आवश्यकता है और न किन्हीं अन्य उपकरणों की, न निमंत्रण पत्र छपवाने का झंझट, न सभा-सोसाइटी बनाकर चुनाव करने की किल्लत, न मासिक चंदा।

(ङ) एक दिन ऐसा हुआ कि व्यक्ति सार्वजनिक रूप से अपनी सास की निंदा कर रहे थे। वे इनसे कितनी बेगार कराती हैं, उनका कैसा चिड़चिड़ा स्वभाव है, कैसी लोभिन हैं आदि-आदि। ‘किसी ने उनकी श्रीमती से सब बातें कह दीं। लगाकर श्रीमती जी से कह दिया है। दिन-भर घर में खाना नहीं बना। और शाम को उन्होंने सब सामान भी पैक कर लिया है और मायके जाने की तैयारी करने लगी।

व्याकरण-ज्ञान

1. उदाहरणानुसार विग्रह कीजिए–

उत्तर– सुख-दुख = **सुख और दुख** पाप-पुण्य = **पाप और पुण्य**

दाल-रोटी = **दाल और रोटी** माता-पिता = **माता और पिता**

गंगा-यमुना = **गंगा और यमुना**

2. विशेषण और भाववाचाएँ संज्ञाएँ छाँटकर लिखिए–

उत्तर– **विशेषण** – महँगा, बुरा, लापरवाह, सावधान, परेशान, भोला, अनुभवी

संज्ञा – महँगाई, निंदा, आवश्यकता, लापरवाही, परेशानी, बुराई, सावधानी, अनुभव, भोलपन

3. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग छाँटकर लिखिए–

उत्तर– अपमान = **अप** अधिगम = **अधि**

अभिमान = **अभि** सुअवसर = **सु**

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-15
हींगवाला
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) पैंतीस (ख) हींग (ग) बड़ा त्योहार

(घ) ठंडे (ङ) लाशों

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) बच्चे माँ से मलाई की बरफ खाने के लिए पैसे माँग रहे थे।

(ख) सावित्री को खान से हींग लेनी पड़ी क्योंकि वह बहुत मना करने पर भी न माना और हींग तोलकर पुड़िया बना दी।

(ग) सावित्री दंगे की बात सुनकर घबरा गई क्योंकि उसके तीनों बच्चे घर से काली का जुलूस देखने गए थे और घर अभी तक लौटकर वापस नहीं आए थे।

(घ) छोटे बेटे ने कहा–"अम्माँ, खान बहुत अच्छा है। क्योंकि दंगा होते ही श्यामू तो उन्हें छोड़कर भाग गया था। खान ने ही उन्हें बचाया, नहीं तो आज हम भीड़ में मारे जाते।"

(ङ) लड़की, जिसकी उम्र आठ साल की थी, बड़े गंभीर स्वर में बोली-"तुम माँ से पैसे न माँगो। वे तुम्हें नहीं देंगी। उनका बेटा तो वही खान है, हम लोग नहीं हैं।" ऐसा उसने चिढ़कर बोला, क्योंकि माँ उन्हें पैसे नहीं दे रही थी।

(च) नौकर श्यामू स्वयं जुलूस देखने को बेहद उत्सुक हो रहा था। उसने भी कहा "भेज दो न माँ जी, मैं अभी दिखाकर लिए आता हूँ, मुहल्ले के और भी तो लोग गए हुए हैं।" अब बच्चों ने और भी जोर पकड़ा, उनका एक समर्थक भी तो बन गया था न। लाचार, इच्छा न होते हुए भी सावित्री को काली का जुलूस देखने के लिए बच्चों को भेजना ही पड़ा।

(छ) "नहीं, दोस्त नहीं। हम तुम्हारा भाई है, भाई।" इस कथन से खान के सावित्री माँ मानने के मनोभाव का पता चलता है।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित क्रियाओं से तीनों कालों में वाक्य लिखिए–

उत्तर– (क) वह खाना खा रहा है।

(ख) उसने पत्र पढ़ा था।

(ग) रमेश कल प्रतियोगिता में दौड़ेगा।

2. 'हींगवाला' शब्द में 'वाला' एक प्रत्यय है। 'वाला' प्रत्यय लगाकर छः नए शब्द बनाइए–

उत्तर–

अखबारवाला	दूधवाला	सब्जीवाला
ताँगेवाला	फलवाला	खिलौनेवाला

3. निम्नलिखित शब्दों का ठीक-ठीक उदाहरण कीजिए–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (बौद्धिक विकास)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-1
जागो जीवन के प्रभाव
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) (ii) (ङ) (i) (च) (i)

2. निम्न पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– **अर्थ–**रात के अंधेरा को छोड़ दो और पक्षियों के चहकने पर उठकर नए अवसरों से मिलो। पूर्व दिशा (अरुणाचल) में हवा चल रही है, जो एक नए दिन और नई ऊर्जा का प्रतीक है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) कवि ने हिमकणों की तुलना दुःख भरे आँसू से की गई है।

(ख) सूर्योदय के समय प्रकृति में कई परिवर्तन होते हैं जैसे पक्षियों का चहकना, फूलों का खिलना, उजाला फैलना आदि।

(ग) प्रातः होते ही नयनरूपी तारकगण सूर्य की किरणों के प्रकाश में छिप जाते हैं।

(घ) अरुणाचल प्रदेश उगते सूर्य की भूमि है। कवि चाहता ऐसा प्रकाश सभी जगह फैले। जैसा भोर का प्रकाश यहाँ फैलता है वैसा सभी स्थानों पर भी फैलना चाहिए।

(ङ) कवि ने सूर्योदय के माध्यम से निराश, हताश तथा सोए हुए लोगों को जगाने का प्रयास किया है। कवि कहता है कि जिस प्रकार सूरज के उदय होने पर प्रकृति में परिवर्तन हो रहे हैं, उसी प्रकार तुम भी जागो और अपने जीवन को मधुमय बना लो।

व्याकरण-ज्ञान

1. 'प्र' उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए–

उत्तर–

लेप	=	**प्रलेप**	दान	=	**प्रदान**	माद	=	**प्रमाद**
गति	=	**प्रगति**	बल	=	**प्रबल**	यत्न	=	**प्रयत्न**
योग	=	**प्रयोग**	काश	=	**प्रकाश**			

2. तुक मिलाकर लिखिए–

उत्तर–

गात	=	**प्रभात**	सब	=	**अब**
बिखरे	=	**भरे**	समेटो	=	**भेंटो**

3. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर–

नयन	=	**आँख**	**नेत्र**	लाज	=	**शर्म**	**लज्जा**
आँसू	=	**अश्रु**	**नयन नीर**	गात	=	**शरीर**	**देह**
प्रभात	=	**सुबह**	**भोर**	अरुण	=	**सूर्य**	**भानु**

4. दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) मयंक पतले **गात** का है।

(ख) ईश्वर **कण-कण** में विद्यमान हैं।

(ग) उसे ऐसा कुकर्म करते **लाज** भी नहीं आई।

(घ) पिता के डाँटने पर स्नेहा के **आँसू** निकल गए।

(ङ) अनुज आकर माँ के **आँचल** में छिप गया।

5. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

क्षोभ	=	**शांति**	जीवन	=	**मरण**	प्रभात	=	**संध्या**
वसुधा	=	**अंबर**	सुखद	=	**दुखद**	बिखरा	=	**सिमटा**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (जीवन कौशल एवं मूल्य)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-2

अहिंसा की विजय

अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (i)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) शिष्य (ख) हृदय (ग) दया (घ) त्राहि-त्राहि

3. निम्नलिखित कथनों के आगे 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) अंगुलियात उसने एक हजार आदमियों की हत्या करने की प्रतिज्ञा की थी। परंतु वह कितने आदमी मार चुका था, इसका हिसाब रखना उसके लिए कठिन था। इसलिए जब भी वह किसी का वध करता था तो उसकी एक अंगुली काट लेता था। अंगुलियों की उसने माला बनाई थी जो हमेशा उसके गले में लटकी रहती थी। इसी कारण उसका नाम अंगुलियात् पड़ा।

(ख) कौशल की प्रजा डाकू अंगुलिमाल से पीड़ित थी। इसलिए कौशल नरेश प्रसेनजित भी बड़े दुखी थे।

(ग) महात्मा बुद्ध मन ही मन में कई बातें सोचते हुए जा रहे थे? वे सोच रहे थे, 'आदमी, आदमी को मारता क्यों है? जीव, जीव को देखकर प्रसन्न क्यों नहीं होता?' इन्हीं बातों पर विचार करते हुए महात्मा बुद्ध जंगल की राह बढ़े जा रहे थे।

(घ) बुद्ध के सासमने घनी झाड़ियाँ चीरती हुई एक विकराल मूर्ति आ खड़ी हुई। जो ऊँचा कद, काला शरीर, भयानक चेहरा, लाल आँखें, बिखरे बाल, बड़ी-बड़ी मूँछें, लंबी मजबूत भुजाएँ, चौड़ा सीना, हाथ में कटार लिए थी।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्द-युग्मों का अर्थभेद वाक्य-प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) तेज = तीव्र (ख) राज = शासन
तेज़ = चमक राज़ = रहस्य

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– नरेश	= **नर + ईश**	महर्षि	= **महा + ऋषि**
महात्मा	= **महा + आत्मा**	धर्मात्मा	= **धर्म + आत्मा**
देवालय	= **देव + आलय**	प्रत्युपकार	= **प्रति + उपकार**

3. इस पाठ में प्रयुक्त ऐसे बहुवचन वाले वाक्यों को छाँटकर लिखिए जो आदरार्थ भाव से प्रयोग किए गए हैं। जैसे– राजा प्रसेनाजित महात्मा बुद्ध के शिष्य थे।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (भाषा दक्षता [21वीं सदी के 4 कौशल])

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-3
साँप की मणि
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. इन प्रश्नों के उत्तर कल्पना तथा अनुमान के आधार पर दीजिए–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) जंगल में पहुँचकर लेखक ने साँप को मणि के साथ देखा।

(ख) मणि के बारे में लेखक ने यह सत्य एक ागर किया कि यह एक किस्म का पत्थर है जो गर्म होकर अँधेरे में जलने लगता है। जब तक वह ठंडा नहीं हो जाता, वह इसी तरह रोशन रहता है। साँप इसे दिन भर मुँह में रखता है ताकि यह गर्म रहे। रात को वह इसे किसी जंगल में निकालता है और इसकी रोशनी में कीड़े-मकौड़े खाता है।

(ग) उस आदमी ने मुझे पकड़ लिया और कहा, "भूलकर भी नीचे न जाइएगा, नहीं तो घर तक न पहुँचिएगा।" वह साँप यहीं पर कहीं-न-कहीं छिपा बैठा है।

(घ) लेखक को मणि देखने पर भी विश्वास नहीं हो रहा था, क्योंकि उसे इसकी पूर्ण जानकारी नहीं थी।

(ङ) बंदूक की जगह आदमी ने कीचड़ का इस्तेमाल किया। वह पेड़ पर चढ़ गया और उसने कीचड़ को मणि के ऊपर फेंक दिया।

व्याकरण-ज्ञान

1. दिए गए वाक्यों में विशेषण छाँटिए और लिखिए कि ये विशेषण के कौन-से भेद के अंतर्गत आते हैं–

उत्तर– (क) पचासों – अनिश्चित = संख्यावाचक

(ख) सात – निश्चित = संख्यावाचक

(ग) बीस – निश्चित = संख्यावाचक

2. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

उत्तर–

मैं	=	**हम**	वह	=	**वे**	मणि	=	**मणियाँ**
चीज	=	**चीजें**	खबर	=	**खबरें**	बंदूक	=	**बंदूकें**

3. नीचे दिए गए क्रिया-रूपों में आहट प्रत्यय का प्रयोग कर क्रिया को ध्वन्यात्मक रूप में परिवर्तित कीजिए–

उत्तर–

गुर्राना	=	**गुर्राहट**	घबराना	=	**घबराहट**
मुस्कराना	=	**मुस्कुराहट**	चहचहाना	=	**चहचहाहट**
हिनहिनाना	=	**हिनहिनाहट**	खटखटाना	=	**खटखटाहट**
ठकठकाना	=	**ठकठकाहट**	खड़खड़ाना	=	**खड़खड़ाहट**

4. नीचे दिए गए शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग कीजिए–

उत्तर–

अधर्म	=	**अ + धर्म**	असत्य	=	**अ + सत्य**
अन्याय	=	**अ + न्याय**	अकाल	=	**अ + काल**

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-4

पिता का न्याय

अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) ज्ञानी (ख) विवाह (ग) प्रसन्न, विश्वास

(घ) दावानल (ङ) आश्रम

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि धन तो धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है परंतु ज्ञान वह धन है जो कभी भी घटता या समाप्त नहीं होता है। इसे आप जितना बाँटेंगे यह उतना ही बढ़ेगा।

(ख) विरोचन व केशनी ने उत्तर दिया, "मैं सांसारिक सुखों के लिए विवाह नहीं कर रही हूँ। मैं विवाह कर रही हूँ एक सुंदर हृदय वाले जीवनसाथी को प्राप्त करने के लिए जो ज्ञानवान और विचारवान हो।"

(ग) उसने केशनी से कहा, "राजकुमारी, मैंने सुना है कि तुम ऋषिकुमार सुधन्य के साथ विवाह करने जा रही हो। उसके साथ विवाह करने से तुम्हें कौन-सा

सुख मिलेगा? वह तो निर्धन है। तुम मुझसे विवाह कर लो। मेरे साथ विवाह करने से तुम्हें अपार सुख प्राप्त होगा, तुम आजीवन सुखी रहोगी।''

(घ) विरोचन के पिता स्वयं ज्ञानी थे इसलिए जानते थे कि सुधन्य का कथन ही सत्य है पर पुत्र-मोह के कारण उनकी जिह्वा विरोचन के विरुद्ध निर्णय देने में सकुचा रही थी। वे कई दिनों तक द्वंद्व में फँसे रहे। अंत में पुत्र-मोह पर ज्ञान की जीत हुई। उन्होंने कहा कि सुधन्य ही श्रेष्ठ है।

(ङ) केशनी ने कहा, ''अच्छा, कल प्रातःकाल सुधन्य यहाँ आएगा, उसी समय आप भी आ जाएँ। वाद-विवाद में आप दोनों में जो विजयी होगा, मैं उसी के साथ विवाह करूँगी, पर जो हार जाएगा, उसे दूसरे के चरण पखारने पड़ेंगे।''

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित उपसर्गों से बने एक-एक शब्द पाठ में से चुनकर लिखो और एक-एक अन्य भी लिखिए–

उत्तर– (क) अ = **अद्‌वितीय, अज्ञान** (ख) वि = **विदेश, विजय**
(ग) आ = **आजीवन, आगामी**

2. निम्नलिखित समस्त पदों का समास भेद पहचानिए–

उत्तर– (क) तत्पुरुष समास (✔) (ख) द्वंद्व समास (✔)
(ग) तत्पुरुष समास (✔) (घ) द्वंद्व समास (✔)

3. अब आप अर्थ लिखकर वाक्य द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) दिन = (दिवस) – आज **दिन** बहुत अच्छा है।
दीन = (गरीब) – हमें **दीन** लोगों की सहायता करनी चाहिए।
(ख) सुना = (सुनना) – मैंने यह गाना पहले भी **सुना** है।
सूना = (खाली) – तुम्हारे बिना घर **सूना** लगता है।
(ग) अन्न = (अनाज) – किसान ने **अन्न** एकत्रित कर दिया।
अन्य = (दूसरा) – यहाँ **अन्य** व्यक्ति खड़ा था।
(घ) कपट = (छल) – नेहा के मन में बहुत **कपट** है।
कपाट = (दरवाजा) – मंदिर के **कपाट** बंद है।

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) राजकुमारी ने विरोचन के सामने एक **शर्त** रखी।
(ख) ऋषिकुमार **निर्धन** था। (ग) उसकी **ख्याति** दूर-दूर तक फैली थी।
(घ) शिक्षक छात्र के जीवन में **निर्णायक** भूमिका निभाते हैं।

5. पाठ से तीनों प्रकार की दो-दो संज्ञाएँ ढूँढ़कर लिखिए–

उत्तर– (क) केशनी सुधन्य (ख) राजा राजकुमारी
(ग) सुखी समानता

6. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) बेटा सुत (ख) संपत्ति दौलत
(ग) मोहक खूबसूरत (घ) वक्त काल
(ङ) गरीब दीन (च) शादी ब्याह

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-5
काले बादल
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (i) (च) (ii)

2. निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए–

उत्तर– **व्याख्या–**कवि कह रहा है कि–उसे मृत्यु का भ्रम नहीं है, लेकिन उसे अन्याय से भी कोई प्रेम नहीं है, क्योंकि अन्याय को स्वीकार करना मानव आचरण नहीं है। लोगों के बीच प्रेम और विश्वास की कमी है। कवि कहता है कि विभिन्न देशों और जातियों के बीच कब एकता होगी। वह एक नई मानवता की कल्पना करता है। जहाँ निराशा में आशा की एक सुनहरी किरण दिखाई दे रही है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) कवि राग-द्वेष से घृणा करता है।

(ख) काले बादलों से अभिप्राय विपत्तियों से है।

(ग) कवि के मन में जन-कल्याण तथा राग-द्वेष से रहित संसार की इच्छा कार्य कर रही है।

(घ) 'काले बादल में चाँदी की रेखा' का अर्थ बिजली चमकने से है जो बादल रूपी संकट से आशा की रोशनी सी प्रतीक होती है।

(ङ) कवि ने निराशा में से आशा की किरण के लिए चाँदी की रेखा तथा सोने की रेखा को प्रतीक दिया है।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– क) आकाश, गगन, व्योम (ख) मोर, मयूर, नीलकंठ

(ग) कष्ट, पीड़ा, दुःख (घ) बिजली, दामिनी, तड़ित

2. निम्न शब्दों के भिन्नार्थक दो-दो वाक्य बनाइए–

उत्तर–

(क)	विधि	= **भाग्य/तरीका**	–	विधि का विधान अटल होता है। इस सब्जी को बनाने की विधि बताओ।
(ख)	चाँदी	= **एक धातु/सफेद रंग**	–	यह अंगूठी चाँदी की बनी है। उसके बाल चाँदी से सफेद है।
(ग)	चपला	= **बिजली/स्त्री**	–	चपला चमक उठी। वह बड़ी चंचल चपला है।
(घ)	झिल्ली	= **एक कीट/महीन परत**	–	रात में झिल्ली की आवाज आती है। दूध के ऊपर झिल्ली जम गई है।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-6
बकरी दो गाँव खा गई
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (i) (ङ) (i) (च) (i)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) लोटा (ख) बादशाह अकबर (ग) पेड़
(घ) गन्ने का (ङ) आगरा, रोता-चिल्लाता (ङ) सुखी

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) आगरा की सड़कों पर एक किसान रोता-चिल्लाता घूम रहा था। क्योंकि उकी बकरी वह पीपल का पत्ता खा गई थी जिस पर बादशाह ने उसे दो गाँव देन का हुक्म लिखा था।

(ख) बादशाह को किसान की बात समझ आ गई थी कि यदि नीयत में खोट आ जाता है तो बरकत में भी अंतर आ जाता है।

(ग) बादशाह अकबर ने किसान को इनाम स्वरुप दो गाँव देने का हुक्म दिया।

(घ) जब अकबर को पता चला कि किसान केवल पच्चीस पैसे ही लगान देता है तो उसके मन में लालच आ गया था। उसने सोचा कि आगरा पहुँच कर किसान पर लगान बढ़ा दूँगा।

(ङ) एक मामूली किसान ने बादशाह को इंसानियत का पाठ पढ़ा दिया था। जहाँ नीयत अच्छी है वहाँ बरकत होती है। भंडार भरा रहता है। लालच और छोटापन आदमी को कभी सुखी नहीं बनाते।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) "क्या?" एक गन्ने में इतना सारा रस।

(ख) अकबर ने कहा–"भाई तुम जानते हो मैं कौन हूँ?"

(ग) "अरे वाह! ऐसा रस तो हमने पहले कभी नहीं पीया।"

(घ) जाते-जाते सावधान किया–"इस बार इन गाँवों को बकरी से बचाना।"

2. निम्नलिखित वाक्यों में आए विशेषणों के नीचे रेखा खींचिए–

उत्तर– (क) बकरी <u>दो</u> गाँव खा गई। (ख) <u>सारा</u> दरबार <u>कहकहो</u> से गूँज उठा।

(ग) बादशाह अकबर <u>कुछ</u> समय पहले <u>एक</u> गाँव में गए थे।

(घ) किसान ने <u>एक</u> गन्ना तोड़ा और <u>बड़े</u> लोटे में रस भर लाया।

3. निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलकर लिखिए–

उत्तर– (क) बकरियाँ पत्ते खा गई। (ख) किसान अपने काम में लग गए।

(ग) इस बार गाँवों को बकरियों से बचाना।

(घ) आगरा की सड़कों पर किसान चिल्ला रहे थे।

4. उपसर्ग लगाकर उदाहरणानुसार शब्द-निर्माण कीजिए–

उत्तर– बे + **जान** = **बेजान** बे + **रहम** = **बेरहम** बे + **कसूर** = **बेकसूर**
बे + **घर** = **बेघर** अन + **जान** = **अनजान** अन + **सुना** = **अनसुना**
अन + **देखा** = **अनदेखा** अन + **पढ़** = **अनपढ़**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (समतामूलक और समावेशी शिक्षण)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-7
तिवारी का तोता
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (i) (ङ) (ii) (च) (ii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) पंडित तिवारी (ख) अभागा (ग) मौत (घ) घाव खाकर

3. निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– आशय–

(क) जंगल का तोता पिंजरे के तोते से कह रहा है कि तुझे शर्म आनी चाहिए। जिस जीवन पर तुझे गर्व है, वह जीवन पराधीन है। तुझे आजादी का महत्व नहीं पता, इसलिए तू गुलामी का जीवन जी रहा है।

(ख) जंगली तोता पिंजरे के तोते को समझा रहा है कि तूने कभी जोखिम नहीं उठाया और न ही कभी खुल हवा में उड़ान भरी। पिंजरे के तोते तूने जीवन का असली मजा ही नहीं लिया इसलिए वह इससे अनजान है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) कहानी के अनुसार पिंजरे के तोते का यह दुर्भाग्य था कि वह गुलामी का जीवन जी रहा था।

(ख) जंगल के तोते ने पिंजरे के तोते से कहा कि–एक दिन अपने मालिक की बात न सुन और उसकी बात का उसकी बोली में जवाब न दे और फिर देख, क्या होता है!"

(ग) जंगली तोते और पिंजरे के तोते में यह अंतर था कि जंगली तोता तो आजाद था, वह अपनी मर्जी का मालिक स्वयं था जबकि पिंजरे का तोता एक गुलाम की जिंदगी बिता रहा था। उसे अपनी जरूरतों के लिए अपने मालिक पर निर्भर रहना पड़ता था।

(घ) पिंजरे का तोता कहता है–"मेरा मालिक मुझ पर मेहरबान है और यह मेरी खुशकिस्मती है कि उसने मुझे यह बना दिया है। वर्ना कौन मुझे पानी पिलाता? कौन मुझे दाना खिलाता? कौन रात के जाड़े और अँधेरे में मेरी रक्षा करता? और मेरे पड़ोस में बिल्लियाँ बहुत हैं, जिनके मुँह में दाँत हैं, पंजों में नाखून हैं, दिल में बेरहमी है। वे मुझे खा जातीं।"

(ङ) मरे हुए तोते की आत्मा ने यह इसलिए कहा क्योंकि उस जंगली तोते के कारण ही वह आजादी का महत्व जान सका।

व्याकरण-ज्ञान

1. दो वाक्यों को मिलाकर एक वाक्य बनाइए। निम्नलिखित उदाहरण देखिए,

समझिए और कीजिए–

उत्तर– (क) मैं कैदी नहीं हूँ और मैं जब चाहूँ पिंजरे में घूम सकता हूँ।
(ख) मैं आज किसी की बात नहीं सुनूँगा क्योंकि मैं सिर्फ अपने मन की बात सुनूँगा।

2. वचन बदलते हुए वाक्य दोबारा लिखिए–

उत्तर– (क) पिंजरे के तोते बोले। (ख) बेटों ने तोतों को सींके चुभाई।
(ग) जंगली तोते खतरनाक होते हैं।
(घ) हमारी बातें समझने की कोशिश करें।

3. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के नीचे रेखा खींचिए–

उत्तर– (क) उनके पास एक तोता <u>था</u>। (ख) मेरा घर मेरा कैदखाना <u>है</u>।
(ग) काशी में तिवारी जी <u>रहते</u> थे। (घ) पिंजरे के तोते ने <u>जबाव दिया</u>।
(ङ) हैरानी आँखों की पलकों पर <u>छाई हुई थी</u>।

4. रेखांकित अंश में कौन-सा कारक प्रयुक्त हुआ है? लिखिए–

उत्तर– (क) कर्म कारक (ख) अधिकरण कारक (ग) अपादान कारक
(घ) संप्रदान कारक (ङ) संबंध कारक

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-8
नेताजी सुभाषचंद्र बोस
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) (ii) (ङ) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) गांधी (ख) हिटलर (ग) प्रभावती देवी
(घ) वियना (ङ) 5 जुलाई, 1943 (च) प्रोटेस्टेट

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) 16 अगस्त, 1945 को नेताजी सिंगापुर से हवाई जहाज द्वारा बैंकाक पहुँचे। आधे घंटे बाद जब जहाज उड़ा तो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कहते हैं कि 18 अगस्त को रात 9 बजे उनका देहांत हो गया।

(ख) नेताजी ने आह्वान किया, "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।"

(ग) अंग्रेजी शासन से मुक्ति पाने के लिए अनेक भारतीयों ने अपने प्राणों की बाजी लगाई थी। बाल, वृद्ध, युवा तथा स्त्रियों, सभी ने इस आजादी में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। ऐसे देशभक्तों में एक महान देशभक्त थे नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आजादी के लिए भारत में ही नहीं, अपितु विदेशों में जाकर भारतीयों को एकत्रित किया और जीवनपर्यंत अपने देश को आजाद कराने में लगे रहे।

(घ) भारत की आजादी की लड़ाई दो प्रमुख मोर्चों पर लड़ी गई–एक शांति और अहिंसा वाला मोर्चा तथा दूसरा उग्र एवं क्रांतिकारी मोर्चा। पहला मोर्चा गाँधी जी सँभाले हुए थे और दूसरे मोर्चे का नेतृत्व सुभाषचंद्र बोस ने सँभाला।

(ङ) • सुभाषचंद्र बोस का सपना भारत को विदेशी शासनस से मुक्त कराना और एक सच्चा धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाना था।
• इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने आई०सी०एस० (ICS) की सरकारी नौकरी को लात मार दी और देश सेवा का रास्ता चुना।
• उन्होंने विदेशों (जर्मनी, जापान) की सहायता की, आज़ाद हिंद फौज, का गठन किया और अंग्रेज़ों के ख़िलाफ सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद किया।

(च) सुभाषचंद्र की माता का नाम प्रभावती देवी तथा पिता का नाम रायबहादुर जानकीनाथ बोस था।

व्याकरण-ज्ञान

1. 'ईय', 'ई', 'इक' और 'इत' प्रत्यय वाले अन्य तीन-तीन शब्द लिखिए–

उत्तर– ईय राष्ट्र + ईय = राष्ट्रीय स्थान + ईय = स्थानीय
शासक + ईय = शासकीय
ई गरीब + ई = गरीबी खुश + ई = खुशी
सर्द + ई = सर्दी
इक समाज + इक = सामाजिक विज्ञान + इक = वैज्ञानिक
इतिहास + इक = ऐतिहासिक
इत हर्ष + इत = हर्षित लिख + इत = लिखित
मोह + इत = मोहित

2. संधि कीजिए–

उत्तर– प्र + आरंभिक = **प्रारंभिक** देह + अंत = **देहांत**
प्रति + एक = **प्रत्येक** सम् + न्यासी = **संन्यासी**

3. नीचे दिए गए शब्दों में शुद्ध शब्द पर (✔) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– नेतृत्व (✔) परीक्षा (✔) संन्यासी (✔)
अंतर्गत (✔) स्वास्थ्य (✔)

4. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) मुँह की खाना = **पराजित होना**
युद्ध में मुँह की खाने पर भी शत्रु ने हार नहीं मानी।
(ख) बेड़ियाँ काटना = **आजाद करना**
नेताजी का एकमात्र उद्देश्य भारत की गुलामी की बेड़ियाँ काटना था।
(ग) न्यौछावर करना = **सब कुछ समर्पित करना**
सैनिक देश के लिए अपने प्राण भी न्यौछावर कर देते हैं।
(घ) पहाड़ टूट पड़ना = **भारी विपत्ति आना**
पिता की मृत्यु के बाद विपिन पर मुसीबतों का पहाड़ टूट गया।
(ङ) पहाड़ टूट पड़ना = **भारी विपत्ति आना**
पिता की मृत्यु के बाद विपिन पर मुसीबतों का पहाड़ टूट गया।

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

उत्तर– उग्र = **नम्र** स्वर्ग = **नरक** गहरा = **उथला**

संतुष्ट	=	**असंतुष्ट**	स्वदेश	=	**विदेश**	आजादी	=	**गुलामी**
स्वतंत्रता	=	**परतंत्रता**	गिरफ्तार	=	**मुक्त/रिहा**			

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (समान एवं समग्र शिक्षा)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-9
पंच परमेश्वर
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) जुम्मन शेख और अलगू चौधरी में गाढ़ी मित्रता थी।

(ख) खालाजान ने पंचायत इसलिए बैठाई वह अपने भानजे जुम्मन से मासिक खर्चा चाहती थी और उसका जुम्मन के साथ अब गुजारा करना मुश्किल हो रहा था।

(ग) जुम्मन ने पंचायत से निवेदन किया कि–पंचो, तीन साल हुए खालाजान ने अपनी जायदाद मेरे नाम कर दी थी। मैंने उन्हें एवज़ में खाना-कपड़ा देना कबूल किया था। खुदा गवाह है, आज तक मैंने खालाजान को कोई तकलीफ़ नहीं दी। मैं उन्हें अपनी माँ के समान समझता हूँ। उनकी खिदमत करना मेरा फ़र्ज़ है, मगर औरतों में ज़रा अनबन रहती है। इसमें मेरा क्या बस है? खालाजान मुझसे माहवार खर्च अलग माँगती हैं। जायदाद जितनी है, वह पंचों से छिपी नहीं। उससे इतना मुनाफ़ा नहीं होता है कि माहवार खर्च दे सकूँ। इसके अलावा समझौते में माहवार खर्च का कोई ज़िक्र नहीं। नहीं तो मैं भूलकर भी इस झमेले में न पड़ता। बस, मुझे यही कहना है। आइंदा पंचों को अधिकार है, जो फ़ैसला चाहें करें।

(घ) अलगू के समसू साहु को एक बैल बेचा था, जिसकी कीमत समसू ने एक महीने बाद देने का वादा किया था। लेकिन समसू ने बैल से इतना अधिक काम लिया कि वह महीने भर में ही मर या। अब समसू मरे हुए बैल के पैसे देने को तैयार नहीं था, यही उनके झगड़े का कारण था।

(ङ) अलगू का यह फैसला सुनते ही जुम्मन सन्नाटे में आ गए। जो अपना मित्र हो, वह शत्रु का व्यवहार करे और गले पर छुरी फेरे, इसे समय के फेर के सिवा और क्या कहें? जिस पर पूरा भरोसा था उसने समय पड़ने पर धोखा दिया।

(च) जब समझू साहु ने पंचायत के लिए जुम्मन का नाम प्रस्तावित किया, तो जुम्मन बड़ा खुश हुआ। इसे लगगा कि अब वह सरपंच बनकर अलू से अपना पुराना बदला ले सकेगा और उसके खिलाफ फैसला सुनाकर उसे नीचा दिखाएगा।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित के साथ उचित क्रियाएँ जोड़कर नई क्रियाएँ बनाइए–

उत्तर–

नाम	=	**नाम करना**	नाश	=	**नाश होना**
सहन	=	**सहन करना**	चिंता	=	**चिंता करना**

2. इसी प्रकार निम्नलिखित के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर–

पूर्ण	=	**अपूर्ण**	निद्रा	=	**अनिद्रा**
आर्य	=	**अनार्य**	अल्प	=	**अनल्प**

3. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध कीजिए–

उत्तर–

जीक्र	=	**जिक्र**	शीछा	=	**शिक्षा**
दबरार	=	**दरबार**	नीरवाह	=	**निर्वाह**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (कौशल विकास)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-10
छोटा जादूगर
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) दीर्घ श्वास (ख) निकम्मा (ग) बिजली (घ) माँ (ङ) साधन

3. निम्नलिखित वाक्यों का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) उसकी वाणी में कहीं बनावट न थी क्योंकि वह स्पष्टवादी तथा मेहनती लड़का था।

(ख) उसके मुँह पर तिरस्कार की हँसी फूट पड़ी क्योंकि वह अपनी जीविका के लिए घर से निकला था न कि तमाशा देखने।

(ग) उसके मुँह पर वही परिचित तिरस्कार की रेख फूट पड़ी क्योंकि आज उसकी माँ मृत्यु के समीप थी लेकिन फिर भी उसे तमाशा दिखाने आना पड़ा।

(घ) उज्ज्वल धूप में समग्र संसार जैसे जादू-सा लेखक के चारों ओर नृत्य करने लगा क्योंकि उस लड़के की माँ उसे छोड़कर संसार से चल बसी थी।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) श्रीमती जी ने धीरे से उसे एक रुपया दे दिया।

(ख) छोटा जादूगर ने अपनी कुशलता से ताश के पत्तों का रंग बदला, मिट्‌टी के खिलौने को जीवित जैसा व्यवहार कांत पिवायासर (जैसे बिल्ली का रुकना, भालू का मनाना और बंदर का छुड़कना) और गुड़िया का ब्याहश्चावर अपनी वाचलता और दर्शकों का मंत्र मुग्ध कर दिया।

(ग) उसके गले में फटे कुरते के ऊपर से एक मोटी-सी सूत की रस्सी पड़ी थी

और जेब में कुछ ताश के पत्ते थे। उसके मुँह पर गंभीर विषाद के साथ धैर्य की रेखा थी।

(घ) छोटा जादूगर अपनी बीमार माँ को छोड़कर कुछ पैसे कमाने के लिए निकला था, क्योंकि उनकी जीविका इसी तरह चलती थी।

(ङ) छोटा जादूगर लेखक की मीटर कार में बैठकर तेज़ी से अपनी झोपड़ी तक पहुँचा जब वह झोपड़ी के भीतर पहुँचा, तो उकी माँ ये मुँह से 'वे' शब्द पूरा निकलने से पहले ही उनके प्राण पखेरु हो गए। अर्थात् उसकी माँ की मृत्यु हो गई थी।

(च) छोटे जादूगर के परिवार में उसकी माँ और बाबू जी थे। उसके पिता देश सेवा के कारण जेल में थे।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों में 'ता' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए–

उत्तर–

व्यग्र	+	**ता**	=	**व्याग्रता**	सुरम्य	+	**ता**	=	**सुरम्यता**
निर्मल	+	**ता**	=	**निर्मलता**	वाचाल	+	**ता**	=	**वाचालता**

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

भूल	=	**गलती**	शाम	=	**संध्या**	क्रोध	=	**गुस्सा**
बोली	=	**भाषा**	प्रसन्न	=	**खुश**	बिजली	=	**विद्युत**

3. निम्नलिखित अनुच्छेद में उचित विराम-चिह्न लगाकर पुनः लिखिए–

उत्तर– मैंने पूछा, "और उस परदे में क्या है? जहाँ तुम गए थे?" "नहीं, वहाँ मैं न जा सका। टिकट लगता है।" मैंने कहा "तो चलो, मैं तुमको वहाँ लिवा ले चलूँ।" मैंने मन-ही-मन कहा, "भई, आज के तुम्हीं मित्र रहे।" उसने कहा, "वहाँ जाकर क्या कीजिएगा? चलिए, निशाना लगाया जाए।"

4. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) नौ दो ग्यारह होना = **भाग जाना**

वह लड़का रुपया लेकर नौ दो ग्यारह हो गया।

(ख) आँसू निकल पड़ना = **रो देना**

उसकी बीमार माँ को देखकर लेखक के आँसू निकल पड़े।

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

लाल	=	**सफेद**	इच्छा	=	**अनिच्छा**	संध्या	=	**प्रातः**
विषाद	=	**हर्ष**	स्मरण	=	**विस्मरण**	स्वीकार	=	**अस्वीकार**

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-11
ऐसी वाणी बोलिए
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (i)

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर– (क) कर्णकटु (ख) बाणभट्ट (ग) शिष्टता (घ) कर्म

3. **निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–**

उत्तर– आशय–

(क) इसका आशय है कि दुनियाँ में बनावटी सज्जनता दिखाने वालों की कमी नहीं है। ऐसे लोग सज्जन या अच्छे दिखते हैं लेकिन उनके मन में छल, कपट भरा होता है।

(ख) यदि हृदय में बुराई, छल और कपट भरा हुआ है तो मुख से कभी मधुर बोल नहीं निकल सकते। अर्थात् मन की गंदगी को साफ करना आवश्यक है अन्यथा भाषा पर उसका प्रभाव अवश्य ही दिखाई पड़ेगा। इन दोनों का परस्पर कोई मेल नहीं है।

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

उत्तर– (क) भाषा के कारण ही मनुष्य उत्तरोत्तर उन्नति करता चला आया है। अन्य जानवरों की अपेक्षा मनुष्य भौतिक बल में न्यून होते हुए भी अपनी बुद्धि और भाषा के सहारे सबसे अधिक सबल हो गया है। उसने पंच-महाभूत को अपने वश में कर लिया है।

(ख) मधुर वचनों के साथ यह भी आवश्यक है कि उनके पीछे भाव भी शिष्ट-मधुर हों, नहीं तो मुलम्मे के सिक्कों की भाँति बेकार रहेंगे। हृदय की मलिनता और मधुर वचनों का योग नहीं हो सकता है। वचन के अनुकूल जब कर्म होते हैं, तभी मनुष्य वंद्य बनता है।

(ग) भाषा केवल बातचीत का साधन नहीं है बल्कि यह मनुष्य के सामाजिक चरित्र का परिचय देती है। एक शिष्ट और मधुर वाली बोलने वाला व्यक्ति माज में अधिक प्रभावशाली और लोकप्रिय होता है।

(घ) वाणी और व्यवहार की शिष्टता इसलिए आवश्यक है क्योंकि यह मनुष्य को समाज में आदर का पात्र बनाती है, शिष्ट वाणी से दूसरों का मन प्रसन्न होता है और समाज में सद्भावना बनी रहती है; जबकि शिष्टता संबंधों में कड़वाहट पैदा करती है।

व्याकरण-ज्ञान

1. **निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए–**

उत्तर–

द्रवित	=	**द्रव**	शिष्टता	=	**शिष्ट**	आर्थिक	=	**अर्थ**
वांछनीय	=	**वांछ**	आत्मीयता	=	**आत्मीय**	साहित्यिक	=	**साहित्य**

2. **निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–**

उत्तर–

यथेष्ट	=	**यथा + इष्ट**	वार्तालाप	=	**वार्ता + आलाप**
स्वाभिमान	=	**स्व + अभिमान**	मनोनुकूल	=	**मनः + अनुकूल**

3. **निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए–**

उत्तर–

भाषा	=	**स्त्रीलिंग**	हृदय	=	**पुल्लिंग**	उन्नति	=	**स्त्रीलिंग**
भाषण	=	**पुल्लिंग**	मर्यादा	=	**स्त्रीलिंग**	शिष्टाचार	=	**पुल्लिंग**

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–

उत्तर– (क) उधर से अच्छी **गंध** आ रही है।

(ख) **भाषा** से व्यक्ति अपनी विशेष पहचान बनाता है।

(ग) हमारा व्यवहार ही हमारे संस्कार **प्रकट** करता है।

(घ) मनुष्य ने अब बहुत **उन्नति** कर ली है।

(ङ) वार्तालाप में **शिष्टता** बहुत आवश्यक है।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-12

मुक्ति-मार्ग

अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (i) (ङ) (i)

2. निम्नलिखित वाक्यों को उचित शब्द द्वारा पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) बुड्ढे (ख) हाहाकार (ग) अंधकार (घ) आम (ङ) आग

3. किसने, किससे कहा–

उत्तर– (क) बुद्धू ने झींगर से (ख) ब्राह्मण ने झींगुर से

(ग) हरिहर ने झींगुर से (घ) बुद्धू ने झींगर से

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) झींगुर को घर से निकलना मुश्किल हो गया। जिधर जाता, ताने सुनने पड़ते। तुम्हीं ने हमारा सर्वनाश किया। तुम्हीं घमंड के मारे धरती पर पैर न रखते थे। आप-के-आप गए, अपने साथ सारे गाँव भर को डुबो दिया। बुद्धू को न छेड़ता तो आज यह दिन क्यों देखना पड़ता?

(ख) तीन मास का भिक्षा-दंड दिया, फिर सात तीर्थ-स्थानों की यात्रा, उसी पर पाँच सौ विप्रों का भोजन और पाँच गऊओं का दान। बुद्धू ने सुना तो रोने लगा। बहुत कहा तो दंड घटाकर दो मास कर दिया। इसके सिवा कोई रिआयत नहीं।

(ग) यह एक रहस्य है कि भलाइयों में जितना द्वेष होता है, बुराइयों में उतना ही प्रेम। विद्वान विद्वान को देखकर, साधु साधु को देखकर और कवि कवि को देखकर जलता है। पर जुआरी जुआरी को देखकर, शराबी शराबी को देखकर चोर चोर को देखकर सहानुभूति दिखाता है, सहायता करता है।

(घ) यह एक ऐसी कहानी है जो सामाजिक पाखंड तथा मानवीय कमजोरियों को उजागर करती है। साथ ही उन पर कटाक्ष भी किया गया है। इसलिए इसका शीर्षक उपयुक्त है। इसका अन्य शीर्षक 'उद्धार' हो सकता है।

(ङ) भेड़ों का झुंड बुद्ध का था। भेंडे झींगुर के खेत में बुद्ध की बेपरवाही तथा उसके घमंड के कारण चली गई थी।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

विकट	=	**सरल**	गरीब	=	**अमीर**
वीरता	=	**कायरता**	दुरमति	=	**सुमति**

2. अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

तिव्र	=	**तीव्र**	ग्रसत	=	**ग्रस्त**
भिछा	=	**भिक्षा**	अर्नथ	=	**अनर्थ**

3. वि, प्र, सु उपसर्ग तथा ता, ई प्रत्यय लगाकर दो-दो शब्द बनाइए–

उत्तर–

प्र	=	**प्रयोग, प्रभाव**	ई	=	**गरीबी, अमीरी**
ता	=	**सुंदरता, महानता**	वि	=	**विज्ञान, विदेश**

4. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

उत्तर–

खेती करने वाला	=	**किसान**	भेड़ें चराने वाला	=	**गड़रिया**
खेत जोतने वाला	=	**हलवाहा**	दर्शन करने वाला	=	**दर्शनार्थी**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (बौद्धिक विकास)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-13
भारत की सांस्कृतिक एकता
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) उपकरण (ख) जातियाँ

(ग) इंकार (घ) अग्रगण्य

3. निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए–

उत्तर– **व्याख्या–**इसका अर्थ है कि हर समुदाय या समूह का एक विशिष्ट सामूहिक व्यक्तित्व होता है। यह व्यक्तित्व उनकी सोच, जीवन जीने के तरीके, परंपराओं, पहनावे, कला और साहित्य जैसी विभिन्न सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से स्पष्ट होता हे। यही मिलकर उस समूह की अनूठी पहचान बनाते हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) साहित्य में राष्ट्रीय एकता के दर्शन सामाजिक समरसता, भाषाई सद्भाव, सांस्कृतिक समन्वय और देशभक्ति की भावना के माध्यम से होते हैं।

(ख) मुसलमानों और ईसाईयों ने यहाँ की संस्कृति को प्रभावित किया है, वे यहाँ की संस्कृति से प्रभावित हुए हैं। भारतीय सूफी कवियों ने वेदांत की भावभूमि को अपनाया है। तानसेन और ताज पर हिंदू-मुसलमान समान रूप से गर्व

करते हैं। जायसी, रहीम, रसखान आदि अनेक मुसलमान कवियों ने अपनी वाणी से हिंदी की रसमयता बढ़ाई है।

(ग) भाषाओं का भेद होते हुए भी विचारों की एकध्येयता रही है। भारत की विभिन्न भाषाओं के साहित्य का धूमिल इतिहास घुला-मिला सा प्रतीत होता है। उनके बीच कोई अभेद्य दीवार न थी। मीरा गुजराती और हिंदी में समान रूप से कवयित्री मानी जाती हैं। मीरा के गीतों से बंगाल भी प्रभावित हुआ है। भूषण की वाणी का महाराष्ट्र में भी आदर हुआ था।

(घ) हमारे भारतीय धर्मों में भेद होते हुए भी उनमें एक सांस्कृतिक एकता है, जो उनके अवरोध की परिचायक है। वही त्याग और तप एवं मध्यम मार्ग की संयममयी भावना हिंदू, बौद्ध जैन और सिख संप्रदायों में समान रूप से विद्यमान् है। एक धर्म के आराध्य दूसरे धर्म के महापुरुष के रूप में स्वीकार किए गए हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर–

राष्ट्र	=	**देश**	**वतन**	भारत	=	**हिंदुस्तान**	**इंडिया**
अवयव	=	**अंग**	**भाग**	आराध्य	=	**उपास्य**	**पूजनीय**

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर–

रक्षा	=	**क्षति**	ह्रास	=	**विकास**	दरिद्र	=	**संपन्न**
स्वार्थ	=	**निस्वार्थ**	एकता	=	**अनेकता**	सुसंगठित	=	**असंगठित**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (पारंपरिक ज्ञान का विकास)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-14
सेर को सवा सेर
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) शासन काल (ख) पसीना
(ग) बाहर (घ) पत्थर का

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) साधुओं की एक टोली ने आगरा में प्रवेश किया।

(ख) कीर्तन की मधुर आवाज पहरेदार के कानों में पड़ी तो वह दौड़ा-दौड़ा आया और बोला–"बंद करो यह गाना! चलो दरबार में।

(ग) तानसेन को सिर लटकाए देख बैजू ने कहा–"जहाँपनाह! कला पर किसी अकेले का अधिकार नहीं होता। साधना और सच्ची लगन से उसे कोई भी

प्राप्त कर सकता है। खेद है, तानसेन ने संगीत को अपनी जायदाद समझ लिया था। यह संगीत का अपमान था। मैंने उसी अपमान का कलंक धोया है।" यह सुनकर तानसेन बैजू के कदमों में झुक गया।

(घ) तानसेन का संकेत पाकर नौकर ने बरतन में एक पत्थर का टुकड़ा रख दिया। तानसेन ने गाना शुरू किया। मुग्ध होकर वह तानसेन के संगीत का आनंद लेने लगा। संगीत के जादू ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। जब संगीत थमा तो सभी ने देखा, बरतन में रखा पत्थर मोम की तरह पिघल रहा है। तानसेन ने झट एक जोड़ी मजीरे उस पिघलते हुए पत्थर पर रख दिए। संगीत का जादू समाप्त हुआ तो पत्थर धीरे-धीरे ठंडा होकर जम गया और उस पर रखे मजीरे भी जम गए।

(ङ) तानसेन अन्य गायकों से ईर्ष्या करता था क्योंकि वह संगीत पर अपना एकाधिकार समझता था ओर उसे अपनी कला पर घमंड हो गया था।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्द अलग कीजिए–

उत्तर– सच्चा गुरु = **सच्चा** सच्ची लगन = **सच्ची**

मधुर आवाज = **मधुर** भयभीत साधु = **भयभीत**

2. विपरीतार्थक शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर– (क) निण्कलंक (ख) ससंकोच (ग) अनुचित

(घ) निसंदेह (ङ) अशुद्ध

3. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) दोस्त को पीटते देखकर मेरा **खून खौल गया**।

(ख) जादू का खेल देखकर बच्चे **अवाक् रह गए**।

(ग) झूठ पकड़े जाने पर रामू ने **सिर लटका लिया**।

(घ) उसे डॉक्टर बनने की **धुन सवार** थी।

(ङ) आधी रात को आवाज सुनकर मेरा **माथा ठनक गया**।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-15

शरत्चंद

अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (ii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) डाकुओं (ख) स्कूल (ग) सीधा, भोला

(घ) साधु, मुजफ्फरपुर (ङ) प्रकाश, पूर्णचंद्र (च) भुवनमोहिनी

(छ) लेखक

3. निम्नलिखित आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– आशय–

उत्तर– (क) शरत् ने पहली बार बंगाल की नारी को पालतू पशु की अवस्था से उठाकर मनुष्य के पद पर बैठाया। इसीलिए उनकी सत्तावनवीं जन्मतिथि के उपलक्ष्य में बंगाल की नारियों ने उनका अभिनंदन किया।

(ख) लिखना तो साधना है और शरत् सचमुच ही साधक थे। वर्षों तक चुपचाप उनकी साधना चलती रही। वह पढ़ते भी खूब थे। पुस्तकालय से सबसे अधिक पुस्तकें लाते। तुरंत कहानी बनाकर साथियों का मनोरंजन करना भी उन्हें खूब आता था।

(ग) दूसरों का दर्द देखकर वे केवल रोकर ही नहीं रहे जाते थे, उस दर्द को दूर करने के लिए जो कुछ हो सकता था, करते थे। 5 फरवरी 1912 की बात है। इनके पड़ोस में आग लग गई। देखते-देखते इनका मकान भी जलने लगा। जल्दी में बहुत थोड़ा सामान उतार सके। लेकिन तभी पता लगा कि पड़ोसी का एक बकरी का बच्चा अंदर रह गया है। शरत् अपने प्राणों को संकट में डालकर अंदर गए और बच्चे को बाहर निकाल लाए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) कई महीने बाद साधु के वेश में वह मुजफ्फरपुर पहुँचे। यहाँ वह शीघ्र ही लोकप्रिय हो गए क्योंकि बाँसुरी बहुत सुंदर बजाते थे और खूब सेवा करते थे। वे रोगी जिनका कोई नहीं था, शरत् उनकी जी-जान से सेवा करते, जो असहाय व्यक्ति मर जाते उनका आदर के साथ संस्कार करते।

(ख) शरत् का गृहस्थ जीवन बहुत सुखी था। उनकी पत्नी हिरण्यमयी देवी जिसे वह 'बहू' या 'बड़ी बहू' कहकर पुकारते थे, बहुत पति-परायणा थीं। वह बहुत सरल, व्रत-उपवास करने वाली तथा अतिथियों से प्रेम करने वाली हिंदू महिला थीं।

(ग) इस बालक पढ़ने की बड़ी धुन थी। पूरी रात बीत गई और पता ही नहीं लगा। याददाश्त भी गजब की थी। एक कहानी सुनिए। कॉलेज में विज्ञान की परीक्षा थी। इनके लिखे उत्तरों को पढ़कर परीक्षक हैरान रह गया। सोचा, 'हो-न-हो इसने नकल की है।' उसने उन्हें बुलाया और फिर से नए प्रश्न पूछे। इन्होंने उनके जो उत्तर दिए उन्हें सुनकर परीक्षक को उनकी स्मरण-शक्ति का लोहा मानना पड़ा। ऐसा था यह अनोखा बालक।

(घ) देश भर ने मुक्त कंठ से उनकी प्रशंसा की। महाकवि रवींद्रनाथ ठाकुर ने गद्‌गद् होकर कहा कि वह प्रेम की प्रतिमा थे। मृत्यु उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। वह तो देश के हृदय में बसे हुए हैं और सदा बसे रहेंगे। ठीक ही तो है। शरत्चंद्र जैसे लेखक कभी नहीं मरते। उनका साहित्य अमर है, वह भी अमर हैं। उनकी रचनाओं को पढ़ते हुए हम और आप सदा उनको अपने हृदय में पाएँगे।

(ङ) शरत् की कहानी उनके कुत्ते के बिना पूरी नहीं हो सकती। उसका नाम था भेलू। बड़ा बदसूरत और बहुत ही भौंकने वाला। आने वाले उससे बेहद घबराते थे। जब वह बीमार पड़ा तो शरत् ने अपने बेटे से भी अधिक प्यार से

उसका इलाज करवाया, लेकिन वह बच नहीं सका। तब वह इतना रोए, इतना रोए कि सब दाँतो तले उँगली दबाने लगे। बड़े प्यार से उन्होंने शिवपुर के अपने घर में उसकी समाधि बनवाई।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों को प्रश्नवाचक वाक्यों में बदलिए–

उत्तर– (क) उस काल में कौन दुखी थी? (ख) चाँद कब पूरा निकलता है?

(ग) वह रातों-रात किसके पास चली गईं?

(घ) कौन उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती?

(ङ) शरत् का गृहस्थ जीवन कैसा था?

2. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) लोगों ने चोर को **मार-मारकर** अधमरा कर दिया।

(ख) दादी जी **धीरे-धीरे** चलती हैं।

(ग) शरत् की दादी **रातों-रात** अपने भाई के यहाँ चली गईं।

(घ) वह बच्चा **इधर-उधर** घूमता रहता था।

(ङ) सोनू **डरते-डरते** जंगल से गुजरा।

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर– (क) कॉलेज में विज्ञान की परीक्षा थी।

(ख) जमकर काम करने की आदत ही नहीं थी।

(ग) अँधेरा हुआ नहीं कि रास्ते पर डाकू अड़े नहीं।

(घ) आवाज सुनकर किसी की हिम्मत न हुई कि सामने आए।

(ङ) शरत् की कहानी उनके कुत्ते के बिना पूरी नहीं हो सकती।

4. निम्नलिखित शब्दों का लिंग परिवर्तित करके वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) **पिताजी** को रंगीन पत्थर रखने का शौक था।

(ख) वह एक **लेखिका** है। (ग) **बालिका** रंगोली सजा रही है।

(घ) हमारी **पड़ोसन** बहुत झगड़ालू है। (ङ) **अध्यापिका** छात्रों को पाठ पढ़ा रही है।

5. निम्नलिखित वाक्यों को जोड़कर एक सरल वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) छुटपन में वह बहुत शरारत करता इसलिए माँ उसे मारती।

(ख) उसका नाम था भेलू और वह बड़ा बदसूरत और बहुत ही भौंकने वाला था।

(ग) इन कहानियों से उनकी धाक जम गई तथा सभी उनसे रचनाएँ माँगने लगे।

(घ) शरत् केवल लेखक ही नहीं थे बल्कि स्वाधीनता-संग्राम के एक सेनानी भी थे।

(ङ) उनके पड़ोस में आग लग गई और देखते-देखते उनका मकान भी जलने लगा।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-1
कोशिश करने वालों की
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (i)
(ङ) (iii) (च) (i) (छ) (i)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) आखिर उसकी **मेहनत बेकार नहीं होती,**
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

(ख) डुबकियाँ **सिंधु में गोताखोर लगाता है,**
जा जाकर खाली हाथ लौटकर आता है।

(ग) जब तक **न सफल हो, नींद-चैन को त्यागो तुम,**
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती,
कोशिश करने वालो की कभी हार नहीं होती।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

उत्तर– **भावार्थ**–असफलता से निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार करके अपनी कमियों को पहचानना और सुधारना चाहिए। सफलता प्राप्त होने तक आराम और शांति को त्यागकर, निरंतर संघर्ष करते रहना चाहिए। कभी हार नहीं माननी चाहिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) सफलता प्राप्त करने का एक ही मंत्र है–निंरतर संघर्ष करना। हमें सफलता पाने के लिए हमेशा प्रयत्न करते रहना चाहिए।

(ख) सांसर में उन्ही की जप-जयकार होती है। जो कर्मठ होते है। और संघर्ष करते हैं। बिना कुछ किए या बिना मेहनत के किसी का नाम नहीं होता, जो लो हार नहीं मानते, समाज उन्हीं का सम्मान करता हैं।

(ग) यदि नाविक लहरों से डरेगा तो वह अपनी नाव पार नहीं कर सकेगा उसी प्रकार यदि चींटी चढ़ाई पर चढ़ते हुए गिरकर हार मान ले तो वह कभी ऊँचाई पर न चढ़ सकेगी। कवि का आशय यह है कि हमेशा प्रयत्न करते रहना चाहिए क्योंकि संघर्ष के बिना सफलता नहीं मिल सकती।

(घ) असफलता को चुनौती के रूप में मानने से व्यक्ति और अधिक लगन से प्रयास करता है जिसके परिणामस्वरूप उसे सफलता प्राप्त होती है।

(ङ) समुद्र में कूदने वालों को हर बार सफलता नहीं मिलती कई बार उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। परंतु वे निरंतर कोशिशें करते रहते है तब जाकर मोती पाते हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. कविता में से तुकांत शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– (क) हार (ख) हैरानी (ग) अखरता (घ) भागो
(ङ) हार (च) फिसलती (छ) आता (ज) सुधार

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखो और वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) हार × जीत – प्रयास करने से ही **जीत** मिलती है।
(ख) उथला × गहरा – मोती **गहरे** पानी में मिलते हैं।
(ग) असफल × सफल – संघर्ष करने से ही व्यक्ति **सफल** होता है।
(घ) निरुत्साह × उत्साह – सभी ने बड़े **उत्साह** से प्रतियोगिता में भाग लिया।
(ङ) अविश्वास × विश्वास – हमें अपने ऊपर **विश्वास** रखना चाहिए।

3. द्विगु समास के पाँच उदाहरण लिखिए–

उत्तर– चौराहा दोपहर पंचतंत्र त्रिलोक त्रिदेव

4. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) पराजय शिकस्त (ख) समुद्र सागर
(ग) नाव किश्ती (घ) पिपीलिका पिपली
(ङ) जोश उमंग (च) प्रयास प्रयत्न

5. निम्नलिखित शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) नाविक (ख) कर्मवीर (ग) गोताखोर (घ) कामचोर

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) असफल (ख) जन्म (ग) जीत
(घ) पाताल (ङ) बलवान (च) नीचे

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-2
थॉमस एल्वा एडीसन
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (i) (च) (i)

2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) स्वास्थ्य (ख) विज्ञान (ग) कनपटी (घ) एडीसन (ङ) तारघर

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) अक्टूबर, 1931 में इस महान् वैज्ञानिक का देहांत हो गया।
(ख) इसके पिता सेमुअल एडीसन सेना में नौकरी करते थे। एडीसन की माता का नाम लैंसी इलियट था। वह विदुषी थीं। स्कूल में अध्यापिका का काम करते हुए वह घर का सारा काम-काज करती थीं।
(ग) विज्ञान ने मनुष्य के जीवन में भारी परिवर्तन ला दिए हैं। यूँ कहें तो ज्यादा अच्छा होगा कि विज्ञान ने ही मनुष्य के जीवन को सुगम और सरल बना दिया है। विज्ञान का योगदान मनुष्य के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हैं।

(घ) एक दिन वह गाड़ी में परीक्षण कर रहा था कि अचानक फास्फोरस से आग लग गई। गार्ड ने गाड़ी रोककर आग बुझवाई। क्रोध में आकर गार्ड ने एडीसन की कनपटी पर एक घूँसा जमाया। इससे एडीसन कुछ बहरा हो गया। फिर वह पहले की तरह सुनने योग्य जीवन-भर न हो सका।

(ङ) एडीसन को न्यूयार्क की एक कंपनी में अच्छी नौकरी मिल गई। उसने कंपनी के एक बिगड़े हुए यंत्र को बिल्कुल ठीक कर दिया। इस पर उसे सब कारीगरों का मुखिया बना दिया गया और अब उसे 300 डालर मासिक वेतन मिलने लगा।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्ता को अलग करके लिखिए–

उत्तर– (क) गार्ड (ख) एडीसन (ग) राष्ट्रपति

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर–

देहांत	=	**देह + अंत**	सदुपयोग	=	**सत् + उपयोग**
प्रोत्साहित	=	**प्र + उत्साह + इत**	प्रयोगशाला	=	**प्रयोग + शाला**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (अनुभवजनित शिक्षा)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-3
गिल्लू
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (i) (च) (ii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) गिल्लू (ख) गिल्लू (ग) निश्चेष्ट, गमले
(घ) गिल्लू, प्रथम (ङ) गलहरियों, अवधि

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) गिल्लू का प्रिय भोजन काजू था।

(ख) भूख लगने पर 'चिक-चिक' करके मानो वह मुझे सूचना देता और काजू या बिस्कुट मिल जाने पर उसी स्थिति में लिफाफे से बाहर वाले पंजों से पकड़कर उसे कुतरता रहता।

(ग) जीवन के अंतिम क्षणों में वह अपने झूले से उतरकर मेरे बिस्तर पर आया और ठंडे पंजों से मेरी वही उँगली पकड़कर हाथ से चिपक गया जिसे उसने अपने बचपन की मरणासन्न स्थिति में पकड़ा था।

(घ) लेखक जैसे ही खाने के कमरे में पहुँचती, वह खिड़की से निकलकर आँगन की दीवार, बरामदा पार करके मेज पर पहुँच जाता और उनकी थाली में बैठ

जाना चाहता। उसे थाली के पास बैठना सिखाया, जहाँ बैठकर वह उनकी थाली में से एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता रहता।

(ङ) लेखिका ने बच्चे को उठाकर घाव साफ किए, उस पर में निमितिन का मरतम लगाया और रुई की पतली बहती से दूध पिलाने की कोशिश की। कई घंटों के उपकार के बाद उसके मुँह में पानी की बूँद टपकाई जा सकी और वह बच गया।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाविशेषण को छाँटकर उसका प्रकार बताइए–

उत्तर–

(क)	दिनभर	कालवाचक क्रियाविशेषण
(ख)	दोपहर में	कालवाचक क्रियाविशेषण
(ग)	रात में	कालवाचक क्रियाविशेषण
(घ)	बरामदा पार कर	स्थानवाचक क्रियाविशेषण

2. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटकर लिखिए–

उत्तर–

	उद्देश्य	विधेय
(क)	वह	स्वयं हिलाकर अपने घर में झूला झूलता।
(ख)	मैंने	कीलें निकालकर जाली का कोन खोल दिया।
(ग)	निकट जाकर देखा,	गिलहरी का एक छोटा-सा बच्चा है।
(घ)	मेरे पास बहुत-से पशु-पक्षी हैं	और उनसे मुझे लगाव भी कम नहीं।

3. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

प्रेम	=	**प्यार**	**स्नेह**	**लगाव**
रात	=	**रात्रि**	**निशा**	**रजनी**
काम	=	**कार्य**	**कर्म**	**काज**
सुबह	=	**प्रातः**	**भोर**	**प्रभात**

4. पाठ में से चार ऐसे शब्द ढूँढ़कर लिखिए जिनमें योजक-चिह्न का प्रयोग हुआ हो।

उत्तर– इधर-उधर छुआ-छुओवल नन्हें-नन्हें चिक-चिक

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

घृणा	=	**प्रेम**	मुक्त	=	**बंधन**	उष्ण	=	**शीत**
संध्या	=	**प्रातः**	जीवन	=	**मरण**	सुलभ	=	**दुर्लभ**
निश्चेष्ट	=	**सचेष्ट**	आवश्यकता	=	**अनावश्यक**			

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-4
शांति
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) धीरे-धीरे बरसने (ख) अंधकार (ग) तपस्या
(घ) काले बादलों से (ङ) अशांति, शांत

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) उसने देखा–एक आदमी, एक चील का चकुला और एक साँप का बच्चा मृत पड़ा था। उसके हाथ से कमंडल छूट गया। अब आकाश की ओर देखने का उसमें साहस तक नहीं रहा। शर्मिंदा होकर उसने अपनी आँखें धरती में गड़ाईं। उसकी आँखें धीरे-धीरे बरसने लगीं, क्योंकि सब कुछ उसकी इच्छा के विपरीत घट गया था।

(ख) चील बोली, "देखो बेटे, अब आखेट का समय हुआ। मैं पलभर में लौट आऊँगी। कल तुम अपने घोंसले से निकलने की कोशिश कर रहे थे। प्यारे, शायद तुम नहीं जानते हो कि तुम्हारे पंख अब भी कमजोर हैं। मैं आज तुम्हारे लिए सुंदर-सा सँपोला लाऊँगी। समझे! मेरी बातों का ख्याल रखना, भूलना नहीं।"

(ग) एक चील अपने घोंसले में झाँककर सूरज को देख रही थी। सूरज के दर्शन से उसे बेहद प्रसन्नता हुई। शायद उसे मुर्गी के छोटे, पिलपिले चूजों का स्मरण हो आया था।

(घ) एक संन्यासी मन-ही-मन सोच रहा था–'हे ईश्वर! तुम प्रकाशमान हो! तुम ही धरती पर होने वाले अंधकार के संहारक हो! धरती का अँधेरा तो तुम नष्ट करते हो, परंतु इस धरती पर होने वाले लोगों के मन के अँधेरे को तुम कब दूर करोगे? उसे घट-घट में रमे राम के दर्शन कब होंगे? हे दयानिधान! मुझे विश्वास है कि दुनिया को घेरे अशांति के दावानल को सिर्फ तुम्हीं शांत कर पाओगे।

(ङ) भील अपने बेटे को कहती है कि तुम्हें तो उस संन्यासी की संतान होना चाहिए था क्योंकि संन्यासी हमेशा भगवान से सभी जीवों के प्रेमपूर्वक साथ रहने की कामना करता था। भील का बेटा भी हिंसा या शिकार के प्रति अविच्छा दिखाता है।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में से अव्यय शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए–

उत्तर– (क) वह आगे बढ़ा और सहसा चौंक उठा।
क्रियाविशेषण समुच्चयबोधक क्रियाविशेषण

(ख) उसके पीछे से आकर गोद में बैठ गया।
संबंधबोधक

(ग) सूरज बादलों से धीरे-धीरे निकल रहा था।
क्रियाविशेषण

(घ) शांति का परम उपासक संन्यासी वापस आ रहा था।
क्रियाविशेषण

(ङ) तुम उसे जोर से काटोगे तो उसका भी बच्चा रोएगा।
क्रियाविशेषण **समुच्चयबोधक** **निपात**

2. नीचे दिए गए शब्दों के लिए ऐसे ही तुलनात्मक शब्द लिखिए–

उत्तर– अज्ञान का = **अंधकार** ज्ञान की/का = **प्रकाश/ज्योति**
विचारों का/की = **सागर/आँधी** भावनाओं का/की = **समुद्र/लहर**

3. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्दों को छाँटिए–

उत्तर– (क) वे, सबकी (ख) उसकी (ग) वह
(घ) अपना (ङ) वह, वह

4. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखिए–

उत्तर– नभ = **आकाश** हृदय = **मन** जलद = **बादल**
कानन = **वन** शत्रुता = **दुश्मन** वसुधा = **धरा**
लालच = **लोभ** भास्कर = **सूर्य**

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– धीरे = **तेज** शांत = **अशांत** सत्य = **असत्य**
स्वर्ग = **नरक** ईश्वर = **अनिश्वर** काला = **सफेद**
अपना = **पराया** कमजोर = **बलवान** शांत = **अशांत**
ईमानदार = **बेईमान**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (भाषा दक्षता)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-5
मुक्ति की आकांक्षा
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (i) (ङ) (iii)

3. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) चिड़िया **को लाख** समझाओ
कि **पिंजड़े के** बाहर
धरती बहुत बड़ी है, निर्मम है,
वहाँ हवा में उन्हें
अपने **जिस्म की गंध तक** नहीं मिलेगी।

(ख) बाहर **बहेलिए का डर** है,
यहाँ निर्द्वंद्व कंठ-स्वर है।
फिर **भी चिड़िया**
मुक्ति **का गाना गाएगी,**

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

उत्तर– **सप्रसंग–**प्रस्तुत कविता में कवि ने स्वतंत्रता का महत्व चिड़िया के माध्यम से बताया गया है।

व्याख्या–कवि कह रहा है कि चाहे चिड़िया या स्वतंत्रता चहाने वाले को कितना भी समझाओ कि बाहर कदम-कदम पर संकट है फिर भी वे आजाद रहना चाहते हैं। उस छोटी-सी चिड़िया के लिए पिंजरे के सुख से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी स्वतंत्रता है और इसके लिए वह सभी सुखों को त्याग करने को तत्पर है।

आगे इसे समझाया गया है कि यद्यपि बाहर कि दुनिया में समुद्र, नदी और झरने जैसे जल के विशाल स्त्रोत है वहाँ तेज़ हवाओं में इसे अपने शरीर की गंध (पहचान) नहीं मिलेगी। प्यास बुझाने के लिए उसे दर-दर भटका होगा अरैर संघर्ष करना पड़ेगा।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) इस कविता का मूल स्वर मुक्ति और आजादी है।

(ख) चिड़िया मुक्ति का गाना इसलिए गाती है क्योंकि उसे स्वतंत्रता पसंद है।

(ग) चिड़िया को पिंजड़े में पानी, चुग्गा तथा बाहर संकटों से सुरक्षा जैसी सुविधाएँ प्राप्त हैं।

(घ) कवि ने बताया है कि पिंजड़े या घर से बाहर की दुनियाँ में कोई दया या सुख-सुविधाएँ विद्‌यमान नहीं है। बाहर निकल कर अपनी मूल आवश्यकताओं के लिए भी इधर-उधर भटकना पड़ता है।

(ङ) पिंजरे के बाहर की धरती बहुत बड़ी है तथा निर्मम है।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) बड़ी अच्छी **गंध** आ रही है।

(ख) चिड़िया पिंजड़े से निकलने के लिए **हरसूँ** जोर लगाती है।

(ग) **झरना** बहुत मोहक है। (घ) उसे जीवन से **मुक्ति** मिल गई।

(ङ) यह संसार बड़ा **निर्मम** है।

(च) यह छात्र शिक्षक की **आशंका** पर खरा उतरा है।

2. अग्रलिखित विराम-चिह्नों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और याद रखिए–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

3. आवश्यकता के अनुसार इनमें उचित विराम-चिह्न लगाकर इन्हें पुनः लिखिए–

उत्तर– (क) कहो! इधर कैसे आ गए। (ख) मैंने भी बड़ी प्रशंसा सुनी है।

(ग) सुलतान की चाह खींच लाई। (घ) उसकी चाल तुम्हारा मन मोह लेगी।

(ङ) कहते हैं, देखने में भी बड़ा सुंदर है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (अनुभवजनित शिक्षा)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-6
चंद्रशेखर आजाद
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (i)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) चंद्रशेखर आजाद (ख) बम
(ग) नीतियाँ (घ) सेनापति

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) आजाद हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन सेना के प्रधान सेनापति नियुक्त हुआ।

(ख) हमारे देश भारत को आजाद करवाने के लिए कई महान लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया। चंद्रशेखर आजाद भी उनमें से एक थे। उनके पिता पं० सीताराम तिवारी उन्नाव जिले के बदरखा नामक ग्राम के निवासी थे।

(ग) प्रयाग में एक दिन जब वे अल्फ्रेड पार्क में बैठे हुए थे तो एक विश्वासघाती के सूचना देने पर एकाएक पुलिस ने उन्हें घेर लिया। आजाद ने पुलिस को देख लिया और वे सारी स्थिति को समझते हुए एक विशाल पेड़ की आड़ में स्थिर होकर अपने रिवाल्वर से गोलियाँ चलाने लगे। जब अंत में उनकी रिवाल्वर में एक ही गोली बची तो उन्होंने उसे स्वयं अपनी कनपटी पर दाग लिया। इस तरह वे मौत की नींद सो गए और सदा के लिए अमर हो गए।

(घ) चंद्रशेखर पुलिस के चुंल में नही आ पाते थे क्योंकि वे भेष बदलने में माहिर थ्ज्ञे वे इतने सतर्क और चतुर थे कि कई बार पुलिस के सामने होने के बावजूद पुलिस उन्हें पहचान नहीं पाती थी।

(ङ) क्रांतिकारी दल के पास संगठन करने के लिए रुपए न थे। अतः 9 अगस्त, सन् 1925 को काकोरी के पास एक यात्री गाड़ी रोककर सरकारी खजाना लूटा गया। यह काम शहीद रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में किया गया था और उसमें आजाद भी शामिल थे।

व्याकरण-ज्ञान

1. इस पाठ में आए संज्ञा को उनके भेदों के आधार पर अलग-अलग करके लिखिए।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

2. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) गांधी जी को आंदोलन **स्थगित** करना पड़ा।

(ख) अनेक क्रांतिकारियों ने भारत माता के लिए **बलिदान** दिए।

(ग) सिपाही **सत्याग्राहियों** को मार रहा था।

(घ) बिना **अवलंबन** के भी यह लड़ाई चलती रही।

(ङ) **पराधीनता** एक अभिशाप के समान हैं।

3. इस पाठ में प्रयुक्त सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए।

उत्तर– ये, वे, उनका, उनके, उन्होंने, इनके, उनकी, उन, वह, यह, तुम्हारा, इसे, इसके, उसकी, अपने, तुम आदि।

4. पाठ में प्रयुक्त विशेषण शब्दों को छाँटकर लिखिए।

उत्तर– पराधीनता, आजादी, दया की मूर्ति, वीरता, बखूबी, बचपन, निर्भीकता, गरीबी, दृढ़ता, स्वाधीनता, खुशी आदि।

5. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) मौत की नींद सो जाना = **मृत्यु हो जाना**

जलियाँवाला बाग हत्याकांड में अनेक लोग मृत्यु की नींद सो गए।

(ख) वीरगति को प्राप्त होना = **शहीद होना**

देश के अनेक सैनिक युद्ध में वीरगति को प्राप्त हो गए।

(ग) जान हथेली पर रखना = **प्राण संकट में रखना**

क्रांतिकारियों ने जान हथेली पर रखकर सरकारी खजाना लूट लिया।

6. पाठ में प्रयुक्त दो एकवचन क्रिया वाले और दो बहुवचन क्रिया वाले वाक्य लिखिए।

उत्तर– (क) अंग्रेज सिपाही सत्याग्रहियों को मार रहा था।

(ख) आजाद की बात सुनकर मजिस्ट्रेट को बहुत गुस्सा आया।

(ग) उनके साथियों में खुशी की लहर-सी दौड़ गई।

(घ) क्रांतिकारियों का उद्देश्य हत्याएँ करना नहीं था।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (पारंपरिक ज्ञान का विकास)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-7
आर्यभट्ट
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) आर्यभट्ट ने बड़ी-बड़ी संख्याओं को वर्णों के माध्यम से छोटे रूप में लिखने का अद्भुत आविष्कार किया। इस तरीके को 'अक्षरांक पद्धति' कहा जाता है।

(ख) आर्यभट्ट ने खगोल विज्ञान और गणित में कई महत्वपूर्ण खोजे की–

- भट्ट ने बताया कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है।
- सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण का वैज्ञानिक कारण बताया।
- उन्होंने वृत्त के व्यास और परिधि के अनुपात (P;) का सटीक अनुसंधान किया।
- बीजगणित के नए सिद्धांत दिए।

(ग) आर्यभट्ट ने सदियों से फैले अंधविश्वासों का विरोध करते हुए आकाश के ग्रह-

नक्षत्रों की विस्तृत जानकारी समाज को दी। उस समय यह माना जाता था कि पृथ्वी स्थिर है तथा अंतरिक्ष उसकी परिक्रमा करता है। मगर आर्यभट्ट ने सर्वप्रथम संसार को बताया कि पृथ्वी अपनी धुरी पर परिक्रमा करती है। उन्होंने स्पष्ट रूप से चंद्रग्रहण और सूर्यग्रहण का कारण भी बताया।

(घ) आज विद्यालयों में पढ़ाया जाने वाला रेखागणित यूनानी गणितज्ञ यूक्लिद की ज्यामिति पर आधारित है। परंतु आर्यभट्ट ने त्रिकोण की तीन भुजाओं तथा उनके कोणों का अध्ययन किया तथा कोण की मिति की नई पद्धति का आविष्कार किया। निश्चित रूप से आर्यभट्ट ने गणित और ज्योतिष के क्षेत्र में जो नए-नए सिद्धांत दिए, उन्हें पढ़कर आज के गणितज्ञ भी उनकी प्रतिभा का लोहा मानते हैं।

(ङ) आर्यभट्ट ने अंकगणित, बीजगणित तथा रेखागणित के अनेक सूत्रों के बारे में अपनी पुस्तक में लिखा। प्राचीनकाल में वृत्त तथा घेरे की जानकारी गणितज्ञों को नहीं थी। इन दोनों के संबंध को निश्चित पूर्णांक में बताना सरल नहीं। आर्यभट्ट ने इस अनुपात का अनुसंधान किया तथा बताया कि वृत्त का व्यास दिया हो तो परिधि किस प्रकार ज्ञात की जाए।

(च) विशाल ब्रह्मांड सदा से मनुष्य की जिज्ञासा का केंद्र रहा है। आकाश में सुशोभित चाँद-सितारों की सुंदरता उसे दीर्घकाल से ऊपर निहारने को बाध्य करती रही है। अंतरिक्ष जगत पर किए गए भिन्न-भिन्न अनुसंधानों का ही परिणाम है कि आज मानव के लिए अंतरिक्ष यात्रा सुलभ हो गई है। आज मानव ने अंतरिक्ष में ही अपनी प्रयोगशालाएँ स्थापित कर ली हैं, जिनसे विभिन्न नक्षत्रों की गति के विषय में पर्याप्त खोज की गई।

व्याकरण-ज्ञान

1. प्रत्येक संधि के तीन-तीन उदाहरण दीजिए–

उत्तर–

गुण संधि	=	**सुरेंद्र**	**रमेश**	**महोदय**
यण संधि	=	**अत्यधिक**	**स्वागत**	**इत्यादि**
दीर्घ संधि	=	**हिमालय**	**पुस्तकालय**	**विद्यार्थी**
वृद्धि संधि	=	**सदैव**	**एकैक**	**महौषधि**
अयादि संधि	=	**नयन**	**नायक**	**पवन**

2. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों से दो-दो शब्द बनाकर उनके अर्थ लिखिए–

उत्तर–

द	–	(क)	जलद	–	जल देने वाला (बादल)
		(ख)	सुखद	–	सुख देने वाला
आकार	–	(क)	रत्नाकर	–	रत्नों की खान (समुद्र)
		(ख)	सुधाकर	–	अमृत की खान
दार	–	(क)	दुकानदार	–	दुकान चलाने वाला
		(ख)	ईमानदार	–	जिसका ईमान पक्का हो
अनुसार	–	(क)	समपानुसार	–	समय के हिसाब से
		(ख)	नियमानुसार	–	नियम के हिसाब से

3. नीचे दिए गए मुहावरों के दो अर्थ दिए गए हैं–एक सामान्य और दूसरा मुहावरेदार। प्रत्येक का सही मिलान कीजिए–

उत्तर– हाथ थामना – किसी आदमी को सहारा देना
हाथ खींच लेना – किसी काम से अपने को अलग कर लेना
पैर पकड़ना – माँफी माँगना
आँख दिखाना – गुस्सा करना
सबक सिखाना – गलती पर दंड देना
उँगली उठाना – किसी व्यक्ति पर आरोप लगाना

निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर– नम्रदा = **नर्मदा** स्पस्ट = **स्पष्ट** इसथिर = **स्थिर**
परयापत = **पर्याप्त** जीग्यासा = **जिज्ञासा** वीम्यानीक = **वैज्ञानिक**

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– नदी = **तटनि सरिता** सूर्य = **रवि भानु**
चाँद = **राकेश शशि** पृथ्वी = **धरा वसुंधरा**
संसार = **जगत दुनिया** विशाल = **विकराल बड़ा**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (पारंपरिक ज्ञान का विकास)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-8
सत्य और अहिंसा
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (i) (ङ) (i) (च) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) क्षणभंगुर (ख) प्रवृत्ति, श्वासोच्छ्वास
(ग) आराधना (घ) परमेश्वर (ङ) अहिंसा, दृष्टि

3. निम्नलिखित गद्यांश का अर्थ स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– **अर्थ–**हमारे मार्ग में चाहे जो संकट आए, बाह्य दृष्टि से देखने पर हमारी चाहे जितनी हार होती दिखाई दे, तो भी हमें विश्वास न छोड़कर एक ही मंत्र जपना चाहिए–सत्य है, वही है, वही एक परमेश्वर है। उसके साक्षात्कार का एक ही मार्ग है, एक ही साधन अहिंसा है, उसे कभी न छोड़ेंगे।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) जब हम सत्य की खोज में; स्वार्थभाव हो लग जाते है और अपने अहंकार को मिटा देते है, तब हम पूरी दुनिया को अपना मित्र समझने लगते है। जब हम में किसी के प्रति और नहीं रहता, तब सारा ससंसार हमारा मित्र बन जाता है।

(ख) साधारणतः सत्य का अर्थ सच बोलना मात्र ही समझा जाता है, लेकिन गांधी जी के अनुसार विशाल अर्थ में सत्य शब्द का प्रयोग किया है। विचार, वाणी और आचार में सत्य का होना ही सत्य है।

(ग) गाँधी जी ने सत्य और अहिंसा का मंत्र जपने को कहा है।

(घ) सत्य की आराधना के लिए ही हमारा अस्तित्व, इसी के लिए हमारी प्रत्येक प्रवृत्ति और इसी के लिए हमारा श्वासोच्छ्वास होना चाहिए।

(ङ) सत्य की खोज के लिए निम्नलिखित आवश्यक हैं–

- अहिंसा : सत्य तक पहुँचने का एक मात्र साधन।
- निःस्वार्थ भाव : अपने स्वार्थ और अहंकार का त्याग करना।
- धैर्य और तपस्या : संकटों में भी विचलित न होना।
- एकाग्रता : ईश्वर पर अटूट विश्वास रखना।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

2. नीचे दिए गए वाक्यों को वर्तमान काल, भूतकाल तथा भविष्यत्काल में बदलिए–

उत्तर– (क) धीरे-धीरे पर्दा गिर रहा है। (ख) उस बार तैमूर तुरक भी आया।

(ग) अत्याचारी तैमूरलंग ने कहा कि वह भारत पर आक्रमण करेगा।

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) मीरा ने **वैराग्य** धारण कर लिया था।

(ख) हमें **मिथ्या** वचन नहीं बोलने चाहिए।

(ग) अपने **आचार**-विचार शुद्ध रखने चाहिए।

(घ) कुछ लोगों को **उपद्रव** करना पसंद होता है।

(ङ) बच्चे **जिज्ञास** प्रवृत्ति के होते हैं।

4. नीचे दी गई क्रियाओं के काल के भेदों के नाम लिखिए–

उत्तर– (क) सामान्य वर्तमान काल (ख) संभाव्य भविष्य काल

(ग) संभाव्य भविष्य काल (घ) अपूर्ण भूतकाल

(ङ) सामान्य भविष्य काल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (बहुमुखी बुद्धिमान)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-9

कसौटी

अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) फालू (ख) उत्साह
(ग) तक हमें सुनाई (घ) काम

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) खेलघर का मुंशी बोला, "आप बच्चे को छोड़ गए, यह नौ बजे तक खेलता रहा, पर जब मैंने खेलघर बंद किया और आप नहीं आए तो मैंने सोचा, 'अब यह जरूर रोएगा।' आपकी बातें मैंने सुनी थीं, इसलिए इसे बताए बिना मैं छिपकर बैठ गया कि देखूँ, अब भी घबराता है या नहीं। यह नहीं घबराया और खेलता रहा। सचमुच बाबू जी, यह तो शेर बच्चा है।"

(ख) श्रीमती विद्यावती कौशल का छोटा लड़का है फालू। नाम तो है अशोक और कहते हैं उसे फालू, तो यह हुआ उपनाम। अवस्था है पाँच वर्ष, पर वह अकेला ही बहुत कुछ है-बालक भी, बूढ़ा सलाहकार भी, तरुण सेवक भी। दही उसकी विशेषताएँ है।

(ग) नौकर की ललकार का जवाब देने के लिए लेखक ने फालू को अकेले खेलघर में खेलने के लिए भेज दिया। यह सुनकर वह निडर बच्चा खुश होकर लंबे तख्ते पर उछलकर बैठ गया। नौकर यह सब देखकर झेंप गया।

(घ) लेखक ने देखा–एक नौकर किसी धनी परिवार के दो बालकों को लिए खड़ा है। बालक 8-10 वर्ष के, स्वस्थ, मोटे-ताजे। नौकर उनसे कह रहा है, "जाओ, खेलघर में झूलो-खेलो।" वे नहीं जाते। खेलने के लिए वे घर से आए हैं, नौकर उन्हें उकसा रहा है।

(ङ) प्रमोद के आने पर अब फालू हर काम प्रमोद पर टालता है, कन्नी काट जाता है और सुनकर बहरा तो हो ही जाता है। अब निगाह काम पर नहीं जाती, प्रमोद पर जाती है कि काम को प्रमोद क्यों न करे, वही क्यों करे? यह परिवर्तन अचानक से हुआ।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाविशेषण और संबंधबोधक शब्दों को छाँटकर अलग-अलग लिखिए–

उत्तर–

(क) बच्चे बाहर खेल रहे हैं।	बाहर	क्रियाविशेषण
(ख) मेज के नीचे बिल्ली बैठी है।	के नीचे	संबंधबोधक
(ग) घर के अंदर चोर घुस आए हैं।	के अंदर	संबंधबोधक
(घ) मैंने यह कहानी पहले भी पढ़ी है।	पहले	क्रियाविशेषण
(ङ) दादा जी अंदर हैं, आप भीतर आइए।	अंदर, भीतर	क्रियाविशेषण

2. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करके लिखिए–

उत्तर– पुष्पित = **पुष्प + इत** भ्रमित = **भ्रम + इत** गुंजित = **गुंज + इत**
खंडित = **खंड + इत** धार्मिक = **धर्म + इक** पल्लवित = **पल्लव + इत**

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–

उत्तर– (क) मुझे पतंग उड़ने का बड़ा **उत्साह** है।

(ख) नौकर को अपनी बात कहने में **झिझक** हो रही थी।

(ग) वे बच्चे बड़े **डरपोक** थे।

(घ) हमें सभी धर्म के लोगों से **सद्भावना** रखनी चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (जीवन कौशल एवं मूल्य)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-10
समाज के सच्चे शिक्षक
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (ii) (ङ) (ii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) अनुशासन (ख) तत्वबोधिनी पत्रिका

(ग) शिक्षा-संस्थाएँ (घ) पत्नी

(ङ) विवाहित

3. सही कथन पर (✔) एवं गलत कथन पर (✘) का निशान लगाइए–

उत्तर– (क) ✘ (ख) ✔ (ग) ✔ (घ) ✔ (ङ) ✔

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) सबसे अधिक क्रांतिकारी काम था–बालिकाओं के लिए विद्यालय खुलवाना। उन्हीं की कोशिश से कोलकाता में बेथून विद्यालय, मेदिनीपुर, बर्दवान, हुगली और नदिया जिले में पचास बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई। इन्हें चलाने का भार भी विद्यासागर जी ने स्वयं लिया और सरकारी नौकरी छोड़ दी।

(ख) एक दिन ईश्वरचंद्र को एक बूढ़े प्रोफेसर साहब अपने घर ले गए। प्रोफेसर साहब की पहली पत्नी की मृत्यु हो चुकी थी। उन्होंने एक छोटी लड़की से विवाह कर लिया था। घर पहुँचकर जब विद्यासागर ने उस छोटी लड़की को देखा तो फूट-फूटकर रोने लगे। फिर वे एक पल भी वहाँ नहीं रुके। उन्होंने कहा, "इस घर में मैं एक बूँद पानी तक नहीं पी सकता।"

(ग) रेलवे स्टेशन पर साधारण-से दिखने वाले व्यक्ति स्वयं ईश्वरचंद्र विद्यासागर थे।

(घ) विद्यासागर जी अनुशासन को बहुत पसंद करते थे। वे यह कभी नहीं बर्दाश्त कर सकते थे कि छात्र अपने शिक्षकों का अपमान करें। उन्होंने कहा था, "अपमान का जीवन बिताने की बजाय मैं रोटी के लिए सब्जी बेचना अथवा परचून की दुकान करना अच्छा समझता हूँ।"

(ङ) संस्कृत कॉलेज में जाति के आधार पर छात्रों की भर्ती का नियम तोड़ने का काम ईश्वरचंद्र ने ही किया। उन्होंने कहा, "यदि आप लोग पैसे की खातिर अंग्रेज़ों को संस्कृत पढ़ा सकते हैं तो मेरी समझ में नहीं आता कि बिना

जाति-भेदभाव के अपने ही देशवासियों को क्यों नहीं पढ़ा सकते!" वे इस बात पर दृढ़ थे कि कॉलेज का द्वार सभी लड़कों के लिए खुला रहेगा।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित के अर्थ लिखिए और इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) चेतना = **बोध**

घायल व्यक्ति को कुछ देर बाद **चेतना** आई।

(ख) अभूतपूर्व = **जो पहले कभी न हुआ हो**

आज के मैच में भारतीय टीम ने **अभूतपूर्व** प्रदर्शन किया।

(ग) घड़ों पानी पड़ना = **घड़ों पानी पड़ना**

जब चोरी पकड़ी गई तो रमेश पर **घड़ों पानी** पड़ गया।

(घ) जहाँ चाह वहाँ राह = **दृढ़ इच्छाशक्ति से कार्य करना**

उसने अपनी मेहनत से यह साबित कर दिया कि **जहाँ चाह वहाँ राह**।

2. निम्नलिखित शब्दों में विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर– शर्म = **बेशर्म** प्रवेश = **निकास** सज्जन = **दुर्जन**

निर्भीक = **डरपोक** विद्वान = **मूर्ख** साधारण = **असाधारण**

3. निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलिए–

उत्तर– स्त्री = **स्त्रियों** बूढ़ा = **बूढ़े** शिक्षा = **शिक्षाएँ**

संस्था = **संस्थाएँ** दुकान = **दुकानें** शिक्षक = **शिक्षक**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (समतामूलक और समावेशी शिक्षण)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-11
बाललीला
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (i) (ङ) (i)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) बलदेवहिं (ख) सूरदास (ग) भोर

(घ) बरबस (ङ) भेद उपजि

3. निम्नलिखित को हल कीजिए–

उत्तर– (क) सतयुग, त्रेतायुग और कलियुग। (ख) द्वापर युग।

(ग) बलराम। (घ) रुक्मिणी।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) कृष्ण स्वयं को पराया इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि मैया यशोदा उन्हें चाँद-खिलौना नहीं दे रहीं।

(ख) माँ अंत में उनकी जिद पूरी करने के लिए कृष्ण जी से कहती है कि मैं तुम्हारे लिए नई दुल्हन लाऊँगी यह सुनकर वह प्रसन्न हो जाते हैं।

(ग) अंत में वे माँ को लाठी और गाय वापस कर देते है और गाय चराने को मना करते हैं।

(घ) कृष्ण के माखन खाने की चोरी उनके मुख पर लगे माखन के कारण पकड़ी जाती है।

(ङ) कृष्ण माँ से जिद करते हुए केवल नंदबाबा के पुत्र कहलाना चाहते हैं क्योंकि माता उन्हें खेलने के लिए चाँद नहीं दे सकीं।

व्याकरण-ज्ञान

1. मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों। जैहौं लोटि धरनि पै अबहीं तेरी गोद न ऐहौं।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

पय	=	**दूध**	चंद्र	=	**चंद्रमा**	सुत	=	**पुत्र**
बेनी	=	**चोटी**	मैया	=	**माता**	धरनि	=	**धरती**

3. नीचे दिए तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–

उत्तर–

मुँह	=	**मुख**	पूत	=	**पुत्र**	सिर	=	**शीर्ष**
मैया	=	**माता**	पहर	=	**प्रहर**	साँझ	=	**संध्या**

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–

उत्तर– (क) बादलों के कारण **चंद्र** दर्शन नहीं हो पाए।

(ख) गाय का **पय** स्वस्थवर्धन होता है।

(ग) राम दशरथ-**सुत** थे।

(घ) **भोर** होते ही चिड़ियाँ चहक उठती हैं।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-12
अंतरिक्ष यात्री–राकेश शर्मा
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (ii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) उच्च शिखर (ख) गौरवशाली (ग) राकेश शर्मा

(घ) प्रशिक्षित पायलट (ङ) 1970

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) श्री राकेश शर्मा ने मुख्य रूप से शरीर पर भारहीनता के प्रभाव, योग की क्रियाओं का हृदयगति पर असर और पदार्थ-विज्ञान तथा भू-संपदा संबंधी ऐसे प्रयोग किए जो धरती पर संभव नहीं हो सकते थे। भारत के ऊपर से गुजरते

समय उन्होंने शक्तिशाली कैमरों से भारत के चित्र लिए, जिनसे यह पता लगाया जा सकेगा कि धरती के नीचे कहाँ, कौन-सी संपदा छिपी हुई है?

(ख) अपने 'स्वागत' का उत्तर देते हुए राकेश शर्मा ने एक स्थान पर कहा था, "मैं वायु सैनिक हूँ, मेरा सम्मान देश के हर सैनिक का सम्मान है। मैं उन सब का बहुत आभारी हूँ, जिनके आशीर्वाद और शुभकामनाओं से हम लोग सकुशल अपना कार्य करके पुनः धरती पर लौटे हैं। हमारी यह यात्रा समाप्त हुई, पर साथ ही आज से अंतरिक्ष यात्रा का एक नया अध्याय आरंभ होता है। यदि दिलचस्पी लें तो अंतरिक्ष यात्राएँ ने केवल अपने देश के लिए, बल्कि समूची मानवता के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं।"

(ग) राकेश शर्मा जब अंतरिक्ष में गए तो वे अपने साथ बहुत-सी चीजें ले गए थे। इनमें पंडित रविशंकर के सितार वादन और अल्लारखा के तबला वादन के कैसेट थे। भारतीय भोजन में आम-पापड़ आमरस और अनन्नास रस शामिल थे। वे अपने साथ वेजिटेबल पुलाव, आलू-छोले एवं हलवा आदि पदार्थ भी ले गए थे।

(घ) भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा का जन्म सन् 1949 में पंजाब के पटियाला जिले में हुआ था। उनकी माता का नाम श्रीमती तृप्ता शर्मा एवं पिता का नाम देवेन्द्रनाथ शर्मा है। राकेश शर्मा की अधिकांश शिक्षा-दीक्षा हैदराबाद में हुई। वे सन् 1970 में वायुसेना में सम्मिलित हुए थे। वे अंतरिक्ष में जाने से पूर्व उड़ान के क्षेत्र में बहुत लंबा अनुभव प्राप्त कर चुके थे।

(ङ) भारतीय युवक और युवितयों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपने शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है। किसी ने हिमालय के उच्च शिखर पर तिरंगा फहराया है तो किसी ने अंटार्कटिका जैसे दूर बर्फीले प्रदेश में पहुँच कर भारत का झंड़ा गाड़ा है। किसी ने तैरकर इंग्लिश चैनल पार किया है तो किसी ने देश के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़कर कीर्तिमान स्थापित किया है।

(च) प्रस्थान करने से पूर्व राकेश शर्मा ने कहा था–"अपने देशवासियों और माता-पिता का आशीर्वाद मेरे साथ है। आप सभी को शुभकामनाएँ हैं। मैं वायुसेना का परीक्षण पायलट हूँ, जोखिम उठाना और खतरों से खेलना ही हम लोगों का काम है। आप मेरे देशवासियों से कह दें कि मैं अपने देश का माथा ऊँचा रखूँगा।"

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग कीजिए–

उत्तर–	लुटेरा	=	**एरा**	तैराक	=	**आक**	लड़ाई	= **आई**
	चढ़ाई	=	**आई**	पढ़ाकू	=	**आकू**	असरदार	= **दार**

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर–	संभव	=	**असंभव**	स्वस्थ	=	**अस्वस्थ**
	असीम	=	**सीमित**	प्रभावित	=	**अप्रभावित**
	सक्रियता	=	**निष्क्रियता**	सम्मानित	=	**अपमानित**

3. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– (क) वे अपने (ख) वे अपने (ग) इनमें (घ) इन

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-13

गुलाब राजा क्यों?

अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) चार चाँद लगाओगे (ख) फूलों

(ग) खुशबू, पुस्तुल्लित (घ) पीला, सूरजमुखी

(ङ) सृष्टि, फूलों, सफेद

3. किसने, किसको और क्यों कहा?

उत्तर– (क) गेंदा ने ब्रह्मा जी से कहा, क्योंकि सभी फूलों का रंग एक-से था।

(ख) ब्रह्मा जी ने गुलाब से कहा, क्योंकि वह फूलों का राजा बना।

(ग) ब्रह्मा जी ने गुलाब से कहा, क्योंकि कोई भी उसे अपने पास जगह नहीं दे रहा था।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) गेंदा ने अपने लिए पीला और सूरजमुखी ने भी पीला रंग माँगा। किंतु, जब उसे थोड़ा खाली-खाली लगा तो ब्रह्मा जी ने उसमें थोड़ा काला रंग भरकर उसकी खूबसूरती बढ़ा दी।

(ख) मानव-फूल में मानव स्वयं अपने व्यक्तित्व की खुशबू भर सकता है। समाज रूपी उपवन को अपने नैतिक गुणों द्वारा महका सकता है।

(ग) सब ने सर्वसम्मति से गुलाब की ओर देखा। सबकी नजरों में गुलाब के प्रति श्रद्धा भाव देखकर ब्रह्मा जी अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने गुलाब को वरदान दिया–"जहाँ रहोगे सबकी शान में चार चाँद लगाओगे।"

(घ) अपने चारों ओर सफेद फूलों को देखकर ब्रह्मा जी ने सोचा कि क्यूँ न सुंदर-सुंदर रंगों वाले फूल बनाऊँ? अपने चारों ओर की प्राकृतिक छटा को अनूठा रूप दूँ? इस विचार के आते ही वह रंग-रूप सोचने लगे।

(ङ) वहाँ जगह न होने के कारण ब्रह्मा जी ने उसे जंगली फूलों के साथ बैठने का इशारा किया। वह जंगली फूलों के साथ बैठ गया।

व्याकरण-ज्ञान

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर– दृष्टि = **नजर** राजा = **नृप** सौंदर्य = **सुंदरता**

सफेद = **श्वेत** कहानी = **कथा** परेशानी = **उलझन**

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) गुलाब का कोई **सानी** नहीं था।

(ख) **प्रकृति** में भिन्न-भिन्न प्रकार के फूल हैं।

(ग) **वनस्पति** से अनेक वस्तुएँ प्राप्त होती हैं।

(घ) मेरी दादी बड़ी **स्नेहमयी** हैं।

4. उचित शब्द द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) आकार (ख) पवन (ग) कुल

5. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्दों को अलग कीजिए–

उत्तर– काला रंग	=	**काला**	सफेद फूल	=	**सफेद**
अद्भुत रचना	=	**अद्भुत**	हसीन वादियाँ	=	**हसीन**
स्नेहमयी दृष्टि	=	**स्नेहमयी**	प्रफुल्लित मन	=	**प्रफुल्लित**
खुशबूदार फूल	=	**खुशबूदार**	महकता उपवन	=	**महकता**

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– दिन	=	**रात**	बड़ी	=	**छोटी**	प्रिय	=	**अप्रिय**
गुण	=	**अवगुण**	फूल	=	**पत्ती**	सुंदर	=	**कुरूप**
शान्त	=	**अशांत**	इच्छा	=	**अनिच्छा**			

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (समान एवं समग्र शिक्षा)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-14
मशाल
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (i)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) लालिमा (ख) दुपहरिया, प्रकाश-पुंज

(ग) लालिमा, सहम उठा (घ) कंठ-से-कंठ, अभिनंदन

(ङ) संध्या, कलगान

3. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– आशय–

(क) इसका अर्थ है–अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो।

(ख) मशाल को ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। जिस दिन मशाल बनी उस दिन मानव ने ज्ञान का प्रयोग करना सीखा।

(ग) इसका अर्थ है कि जो थोड़ा-बहुत ज्ञान या समझ पहले दिखती थी, अब पूरी तरह खत्म हो गई है।

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

उत्तर– (क) ओ विधाता दिन बनाकर तुम्हें संतोष नहीं हुआ, तो तुमने रात बनाई, प्रकाश तुम्हारे लिए काफी नहीं था, तो तुमने अंधकार बनाया। अंधकार बनाया और हमें उसमें भटकने, तड़पने, बिलबिलाने, चिल्लाने को छोड़ दिया। हम पुकारते रहे–"तमसो मा ज्योतिर्गमय!" और तुम कभी तारे की झिलमिल, चाँद की चकमक, बिजली की लुक-छिप और जुगनू की भुक-भुक के बहाने हम पर मुस्कुराते रहे, हँसते रहे। हो-हो, ठहाके मारते रहे।

(ख) मशाल का महत्व समझाने के लिए प्राचीन यु में जाना इसलिए आवश्यक है ताकि हम इस समय की कल्पना कर सकें जब मनुष्य के पास गैस या बिजली जैसी आधुनिक सुविधाएँ नहीं थीं। प्राचीन काल में घने अंधकार के बीच जब पहले मनुष्य ने मशाल जलाई होगी, तो वह सभ्यता की सबसे बड़ी क्रान्ति थी। इस कठिन समय की तुलना करने पर ही हमें मशाल की असली कीमत और उनकी शक्ति का अहसास होता है।

(ग) पंच प्रकृतियों में क्षिति (मिट्टी), जल, पावक, गगन, समीर हैं। इनमें सबसे अधिक प्रबल पावक (अग्नि) को माना गया है।

(घ) (iii) बिजली, चाँद और तारों का प्रकाश।

व्याकरण-ज्ञान

1. **इस पाठ में प्रयुक्त किन्हीं पाँच समुच्चयबोधकों को चुनकर लिखिए–**

उत्तर– लेकिन और यदि कि जो

2. **चाँद की चकमक, बिजली की लुक-छिप, तारों की झिलमिल, जुगनू की भुक-भुक, इन प्रयोगों को देखिए ओर निम्नलिखित को पूरा कीजिए–**

उत्तर– (क) कल-कल (ख) झर-झर (ग) गरज (गड़-गड़) (घ) टिप-टिप

3. **पाठ से दस भाववाचक संज्ञाएँ छाँटकर उनका लिंग बताइए; जैसे–शोषण (पुल्लिग), बालिका (स्त्रीलिंग)।**

उत्तर–

(i)	उत्पीड़न	**(पुल्लिग)**	(ii)	अंधकारमय	**(पुल्लिग)**
(iii)	व्याकुलता	**(स्त्रीलिंग)**	(iv)	लालिमा	**(स्त्रीलिंग)**
(v)	ताप	**(पुल्लिग)**	(vi)	ज्वाला	**(स्त्रीलिंग)**
(vii)	प्रकाश	**(पुल्लिग)**	(viii)	भयानक	**(पुल्लिग)**
(ix)	फुफंकार	**(स्त्रीलिंग)**	(x)	जगमगाहट	**(स्त्रीलिंग)**

4. **निम्नलिखित अनुच्छेद में से सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए–**

उत्तर– उसके, उस, वह, उसका, उसकी, उन्हें, जो, कितना, कब

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-15
पारसमणि
अभ्यासमाला

1. **सही विकल्प चुनिए–**

उत्तर– (क) (i) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (ii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों द्वारा कीजिए–

उत्तर– (क) रवींद्रनाथ ठाकुर (ख) साधु (ग) भगवान

(घ) सपने में भगवान के दर्शन (ङ) पेड़ के नीचे

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) गाँधी जी ने अपना पूरा जीवन सत्य, अहिंसा और सजवता की सेवा में समर्पित कर दिया। उन्होंने दीन-दुनियों और कुछ रोयिों की सेवा की वयं अपने हाथों से। जिसके कारण उनका नाम दुनिया में अमर हो गया।

(ख) हीरे को पाने के बाद उस आदमी के मन में एक विचार पैदा हुआ, 'साधु ने इसे यों ही क्यों डाल रखा है? जरूर उसके पास इस हीरे से भी मूल्यवान कोई चीज है।

(ग) सेवा की बड़ी महिमा है। धन से आप कुछ लोगों को अपनी ओर खींच सकते हैं, सेना से कुछ और ज्यादा पर विजय पा सकते हैं, लेकिन सारी दुनिया को तो सेवक ही जीत सकता है।

(घ) सब दिन-रात पैसे की होड़ में दौड़ रहे हैं। चीजों के पीछे पड़ने से आदमी को लगता है कि उसे कुछ मिल रहा है, पर उसकी हालत वैसी ही होती है, जैसे कि रेगिस्तान में भ्रम से दीख पड़ने वाले पानी को देखकर हिरन की होती है। वह उसकी ओर दौड़ता है पर पानी हो तो मिले! बेचारा भटक-भटककर प्यासा ही प्राण दे देता है।

(ङ) जिसके पास केवल धन है पर मन में शांति, संतोष और सेवा भाव नहीं है, वह वास्तव में गरीब है। धन केवल बाहरी सुख देता है, जबकि असली अमीरी मन की शांति और दूसरों की मदद करने में है।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों को भूतकाल में बदलकर लिखिए–

उत्तर– (क) पेड़ के नीचे सचमुच बड़ा कीमती हीरा पड़ा था।

(ख) किसी महान व्यक्ति ने कितनी बढ़िया बात कही थी।

(ग) लेकिन वे अपने देशवासियों को खूब खुशहाल देखना चाहते थे।

(घ) वह रवींद्रनाथ ठाकुर की एक बड़ी-सी सीख देने वाली रचना थी।

(ङ) बहुत-से लोग ऐसा भी करते थे, पर यह रास्ता सबका रास्ता नहीं था।

2. निम्नलिखित वाक्यांशों का अर्थ लिखकर इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) खुशहाल रहना = **संपन्न होना**

प्रत्येक देश अपने देशवासियों को खुशहाल देखना चाहता है।

(ख) नाम अमर हो जाना = **हमेशा याद रहना**

महान व्यक्तियों का नाम अमर हो जाता है।

(ग) पैसे की होड़ में रहना = **धन कमाने की प्रतियोगिता करना**

आज सभी लोग पैसे की होड़ में लगे हुए हैं।

(घ) मिट्टी के मोल बना देना = **तुच्छ बना लेना**

कुछ लोग दूसरे के परिश्रम को मिट्टी के मोल बना देते हैं।

(ङ) अचरज की सीमा न रहना = **बहुत हैरान होना**
जब उसने परीक्षा में प्रथम स्थान पाया तो उसके अचरज की सीमा न रही।

3. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए–

उत्तर–

धन	=	**धनी**	दिन	=	**दैनिक**	बुरा	=	**बुराई**
शरीर	=	**शारीरिक**	समाज	=	**सामाजिक**	सादगी	=	**सादा**
महानता	=	**महान**	रेगिस्तान	=	**रेगिस्तानी**			

4. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया सकर्मक है या अकर्मक, बताइए–

उत्तर– (क) सकर्मक क्रिया (ख) अकर्मक क्रिया (ग) सकर्मक क्रिया
(घ) अकर्मक क्रिया (ङ) अकर्मक क्रिया

5. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

उत्तर–

ग्रंथ	=	**ग्रंथों**	हीरा	=	**हीरे**	सभा	=	**सभाएँ**
साधु	=	**साधुओं**	चीज	=	**चीजें**	बुराई	=	**बुराइयाँ**
घटना	=	**घटनाएँ**	ठीकरा	=	**ठीकरे**			

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-16
हँसी के मुखौटे
अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों द्वारा कीजिए–

उत्तर– (क) 30 (ख) प्रतिक्षा (ग) हितैषी
(घ) बेरोजगार आदमी (ङ) इंतजाम

3. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– **आशय–**जब व्यक्ति का जीवन दुखों और परेशानियों से भर जाता है, तो उसके जीवन के अनुभव निराशाजनक और दुखद हो जाते हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) नहीं, शर्मा जी ने लेखक से पैसे नहीं माँगे।

(ख) मुसीबतों में शर्मा जी एक ऐसी हँसी-हँसते हैं जिसमें दुःख, निराशा और व्यंग्य छिपा होता है। यह हँसी उनकी बेबसी और परिस्थितियों के सामने हार मान लेने को दर्शाती है।

(ग) जब शर्मा जी परिवार की आर्थिक तंगी और अपनी दयनीय स्थिति का जिक्र करते हैं, तब-तब लेखक को लगता है कि अब वे पैसों की माँग करेंगे।

(घ) शर्मा जी ने परिवार को इसलिए चुना क्योंकि संस्था से कही अधिक महत्वपूर्ण उनके लिए परिवार था। उसकी देखभाल किसी संस्था से ज्यादा जरूरी थी।

(ङ) यह कथन लेखक ने स्वयं को कहा है। इसका अर्थ है कि एक समय था कि वे दूसरों के लिए कहानियाँ लिखते थे लेकिन अब समय एवं परिस्थितियों के कारण स्वयं एक कहानी बन गए हैं, जिसमें दुख और संघर्ष है।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में से समुच्चयबोधक शब्द अलग करके लिखिए–

उत्तर– (क) और (ख) अथवा (ग) कि (घ) परंतु

2. निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर– कुल = **वंश, सारा** रुचि = **इच्छा, प्रकाश**

प्रकृति = **स्वभाव, कुदरत**

3. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) हमें किसी के सामने **हाथ नहीं फैलाना** चाहिए।

(ख) अचानक सामने शेर को देखकर **मेरे होश उड़ गए**।

(ग) देर से घर आने पर माँ ने मुझे बहुत **खरी-खोटी सुनाई**।

(घ) ईमानदारी की राह पर चलना मानो **टेढ़ी लकीर पर चलना** हो गया है।

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

पाठ-17

भोलाराम का जीव

अभ्यासमाला

1. सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (i) (ङ) (ii) (च) (i)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) लापता (ख) रिकार्ड (ग) आधार (घ) पेंशन (ङ) धोखा

3. किसने कहा–

उत्तर– (क) धर्मराज ने (ख) नारद ने (ग) यमदूत ने

(घ) चित्रगुप्त ने (ङ) चपरासी ने

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) चित्रगुप्त ने कहा–"महाराज, आजकल पृथ्वी पर इस प्रकार का व्यापार बहुत चला है। लोग दोस्तों को कुछ चीज भेजते हैं और उसे रास्ते में ही रेलवेवाले उड़ा लेते हैं। हौजरी के पार्सलों के मोजे रेलवे अफसर पहनते हैं। मालगाड़ी के डिब्बे के डिब्बे रास्ते में कट जाते हैं। एक बात और हो रही है; राजनैतिक दलों के नेता विरोधी नेता को उड़ाकर बंद कर देते हैं। कहीं भोलाराम के जीव को भी तो किसी विरोधी ने मरने का बाद खराबी करने के लिए नहीं उड़ा दिया?"

(ख) इस कहानी में सबसे अच्छी बात यह है कि लेखक ने व्यंग्य के माध्यम से सरकारी व्यवस्था तथा भ्रष्टाचार को उजागर किया है। साथ ही इस कहानी में यह संदेश भी दिया गया है कि ईमानदार व्यक्ति जीवन भर संघर्ष करता

रहता है। उसके मरने के बाद भी उसकी आत्मा को चैन नहीं मिलता। लेखक कहानी के माध्यम से समाज को अन्याय के प्रति जागरूक करना चाहते हैं।

(ग) भोलेराम का जीव अपनी पेंशन की फाइल से इसलिए चिपका हुआ था क्योंकि जीवन-भर ईमानदारी से नौकरी करने के बावजूद उसे पेंशन नहीं मिली थी। मरने के बाद भी उसे अपनी पत्नी और परिवार की चिंता थी, इसलिए वह फाइल नहीं छोड़ना चाहता था।

(घ) लेखक ने सरकारी बाबुओं, अधिकारियों और सरकारी व्यवस्था पर कटाक्ष किया है। कटाक्ष का आधार उनकी लापरवाही, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता है। उदाहरण के भोलाराम की पेंशन फाइल कई वर्षों तक घूमती रही लेकिन फिर भी किसी अधिकारी ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली।

(ङ) "भोलाराम ने दरख्वास्तें तो भेजी थीं, उन पर वजन नहीं रखा था, इसलिए कहीं उड़ गई होंगी।" इस पंक्ति का आशय यह है कि भोलाराम ने अपनी दरख्वास्तें के साथ बाबूओं और अधिकारियों को रिश्वत नहीं दी थी, इस कारण उसकी पेंशन की दरख्वास्तों पर किसी ने ध्यान नहीं दिया।

व्याकरण-ज्ञान

1. समास द्वारा समस्तपद बनाइए–

उत्तर–

हर मास	=	**प्रतिमास**	जन्म भर	=	**आजन्म**
जाने बिना	=	**अनजाने**	जैसा संभव हो	=	**यथासंभव**
बिना मतलब के	=	**बेमतलब**	हाथ-ही-हाथ में	=	**हाथोंहाथ**

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) क्रंदन = **विलाप**

बच्चे का क्रंदन सुनकर माँ तुरंत उसके पास पहुँची।

(ख) व्याप्त = **फैला हुआ**

आजकल समाज में भ्रष्टाचार हर जगह व्याप्त है।

(ग) नगण्य = **तुच्छ**

मेरे लिए यह छोटी सी रकम बिल्कुल नगण्य है।

(घ) विकृत = **बिगड़ा हुआ**

उसकी मानसिक स्थिति विकृत हो चुकी है।

(ङ) मौलिक = **असली**

यह विचार मेरा मौलिक विचार है।

3. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

देह	=	**शरीर**	**काया**	मूर्ख	=	**अज्ञानी**	**नासमझ**
मृत्यु	=	**स्वर्गवास**	**निधन**	पत्नी	=	**भार्या**	**अर्धांगिनी**
स्वर्ग	=	**देवलोक**	**परलोक**	हुक्म	=	**आज्ञा**	**आदेश**

4. निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए–

उत्तर– (क) क्या आज वर्षा नहीं होगी?

(ख) क्या साहिल पुस्तक पढ़ चुका?

(ग) विनय को यह कार्य अभी नहीं करना चाहिए।

(घ) गांधी जी का नाम सबको जानना चाहिए।

5. निम्नलिखित वाक्यों को उचित विस्मयादिबोधक शब्दों से पूर्ण कीजिए–

उत्तर– **धन्य**! हैं ऐसे वीर। **हाय**! वह तो बर्बाद हो गया।

शाबाश! मुझे तुमसे ऐसी ही उम्मीद थी।

अरे! ऐसा नहीं कहते। **ओह**! कितना बड़ा साँप।

अच्छा! तो ये तुम्हारा काम है।

6. इस पाठ में अनेक उर्दू और अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग हुआ है। पाठ से छह उर्दू तथा छह अंग्रेजी के शब्द छाँटकर उनके हिंदी पर्याय लिखिए–

उत्तर–

उर्दू	हिंदी	अंग्रेजी	हिंदी
दरख्वास्तें	प्रार्थना-पत्र	पेंशन	वृत्ति
दफ्तर	कार्यालय	फाइल	पत्रावली
इंतजार	प्रतीक्षा	इनकम	आय
हाजिरी	अनुपस्थिति	चिट	परची
हुक्म	आज्ञा	ऑडर	आदेश
दिलचस्प	रोचक	पेपर वेट	कागज-दाब

रचनात्मक कार्य (Creative Work)

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES